लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के लिए अगले हफ्ते 20 मई को वोटिंग कराई जाएगी। इस चरण में 8 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश की 49 सीटों पर वोटिंग होनी है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 14 दिनांक:18-05-2024 शनिवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

ईडी ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपित मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की परेशानी बढ़ाने वाली बात शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट कही

पांचवें चरण की वोटिंग के लिए आज थम जाएगा चुनाव प्रचार

इस बार कई सियासी परिवारों का कड़ा इम्तिहान

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के लिए अगले हफ्ते 20 मई को वोटिंग कराई जाएगी। इस चरण में 8 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश की 49 सीटों पर वोटिंग होनी है। हर बार की तरह इस बार भी कई बड़े चेहरों की किस्मत दांव पर होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ-साथ कई अन्य केंद्रीय मंत्रियों के भाग्य का फैसला इस चरण में होना है। यह चरण इस मायने में भी खास है क्योंकि कई राजनीतिक परिवारों के वारिस भी चुनावी समर में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। पांचवें चरण के लिए चुनाव प्रचार शनिवार को शाम 5 बजे थम जाएगा।

भले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से राजनीति में परिवारवाद को लेकर लगातार हमला किया जाता रहा हो। लेकिन हर दल से राजनीतिक परिवारों के वारिस चुनाव मैदान में ताल ठोंकते नजर आ रहे हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, जम्मू-कश्मीर और महाराष्ट्र हर जगह राजनीतिक वारिस अपनी सियासी जमीन को या तो तलाश रहे हैं या फिर और मजबूत करने की कोशिश में लगे हैं।

पिता के बाद अब मां की सीट पर राहुल गांधी

अमेठी छोड़कर इस बार रायबरेली संसदीय सीट से चुनाव लड़ रहे राहुल गांधी यहां से पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं। सोनिया गांधी अमेठी छोड़कर 2004 में रायबरेली आ गई थीं और तब से लेकर वह लगातार चुनाव जीतती रहीं। अमेठी से राहुल के पिता और पूर्व पीएम राजीव गांधी 4 बार सांसद रहे जबकि रायबरेली से सोनिया गांधी 5 बार सांसद चुनी गईं।

इनकी साख दांव पर

राजधानी लखनऊ से सटे बाराबंकी जिले की बाराबंकी लोकसभा सीट पर भी एक राजनीतिक वारिस अपनी किस्मत आजमा रहा है। इंडिया गठबंधन के तहत कांग्रेस बाराबंकी से चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस ने यहां से तनुज पुनिया को मैदान में उतारा है। तनुज दिग्गज दलित नेता और पूर्व आईएएस पीएल पुनिया के बेटे हैं। नौकरशाह से नेता बने पीएल पुनिया यहां से चुनाव जीतने में कामयाब रहे हैं। वह राज्यसभा से एक बार सांसद भी रहे हैं। यूपी की कैसरगंज सीट पर भाजपा के कद्दावर नेता बृजभूषण सिंह के बेटे करण भूषण सिंह मैदान में हैं। जम्मू-कश्मीर की बारामूला सीट पर नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला मैदान में हैं। बिहार की सारण सीट से राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य चुनाव लड़ रही हैं। अनुसूचित जाति के लिए रिजर्व हाजीपुर सीट से इस बार लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास पासवान) के नेता चिराग पासवान अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे डॉक्टर श्रीकांत शिंदे कल्याण सीट से मैदान में हैं।

चाबहार पर पीएम मोदी ने अमेरिका को सुना दिया..... भारत कोई भी फैसला अपने हित के लिए करेगा

रूस से सस्ता पेट्रोल चाहिए तब मैं जरूर लूंगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान और भारत के बीच हाल ही में हुए चाबहार समझौते पर पहली बार प्रतिक्रिया दी है। पीएम मोदी ने एक इंटरव्यू में कहा कि चाबहार समझौता भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बहुत बड़ा समझौता है। साथ ही चाबहार समझौते पर अमेरिकी चेतावनी को दरकिनार कर पीएम मोदी ने दो टूक जवाब दिया। अमेरिका का नाम लिए बिना पीएम मोदी ने कहा कि भारत कोई भी फैसला अपने लिए करेगा, किसी तीसरे के आधार पर नहीं।

दरअसल, पीएम मोदी से इंटरव्यू के दौरान सवाल किया गया था, जिसके जवाब में पीएम मोदी ने कहा, हम इस हिसाब से चीजों को क्यों देखते हैं? मूलभूत बात क्या है? अब तक हम क्या सोचते थे....? हमारा नैरेटिव ये था कि हम इससे इतने दूर हैं, हम उससे इतने दूर हैं। हम समान दूरी बरतते थे, हमारी डिप्लोमेटिक भाषा में यही चलता था, मैंने कहा, कुछ नहीं करना है अब... मेरी भाषा है कि हम कितने नजदीक हैं। अब दुनिया में ये प्रतिस्पर्धा शुरू हुई कि निकट कैसे जाएं इसके। पहले दूर रहने की प्रतिस्पर्धा थी, अब बदल गया. अब सब लोगों में निकट आने की प्रतिस्पर्धा चल रही है।

पीएम मोदी ने अप्रत्यक्ष तरीके से अमेरिका को जवाब देकर कहा, हम किसी तीसरे के आधार पर अपना निर्णय नहीं करने वाले हैं। हम निर्णय हमारे लिए करने वाले हैं। जी नहीं.... मैं सबसे बात करूंगा। राष्ट्रपति पुतिन अगर मेरी भरपूर तारीफ करते हैं, इसका मतलब ये नहीं कि मैं राष्ट्रपति पुतिन को मिलकर यह नहीं कह सकता कि दिस इज नॉट टाइम फॉर वॉर (यह युद्ध का समय नहीं है)।

अमेरिका और रूस के साथ बैलेंस को लेकर पीएम मोदी ने कहा, मैं मानता हूं कि ये सब तब होता है जब आपके इरादे नेक हों, आपके प्रति विश्वास हो तब चोरी छुपे और अमेरिकेंस से पूछ करके नहीं करना होता है। वैसे ही, मैं रशिया से, मेरे देश को सस्ते में पेट्रोल चाहिए तब मैं लूंगा।

केजरीवाल की गिरफ्तारी मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

कहा-जमानत के लिए ट्रायल कोर्ट जाएं... ईडी की टीम ने दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में शराब नीति केस में 8वीं चार्जशीट दायर की

शराब घोटाले में केजरीवाल-आप आरोपी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई। केजरीवाल ने शीर्ष कोर्ट में प्रवर्तन निदेशालय की गिरफ्तारी को चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसला सुरक्षित रख लिया। साथ ही कहा कि केजरीवाल जमानत के लिए ट्रायल कोर्ट जा सकते हैं। वहीं, सुनवाई के दौरान ईडी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि शराब नीति केस में अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाया है।

जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई की। ईडी की तरफ से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू और केजरीवाल की तरफ से अभिषेक मनु सिंघवी दलीलें रखीं। एसवी राजू ने कहा कि रिश्वत का पैसा हवाला के जरिए भेजा गया। जस्टिस खन्ना ने कहा कि आमतौर पर जांच अधिकारी तब तक गिरफ्तार नहीं कर सकता, जब तक उसके पास दोषी साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत न हों। यही स्टैंडर्ड होना चाहिए। वहीं, अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि केजरीवाल को दोषी साबित करने से बचाने वाले 9 बयान हैं, लेकिन जांच एजेंसी ने इसे जीरो वेटेज दिया। सुनवाई के दौरान ईडी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि शराब नीति केस में अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाया है। जांच एजेंसी ने 21 मार्च को केजरीवाल को अरेस्ट किया था। सुप्रीम कोर्ट ने 10 मई को केजरीवाल को 21 दिन यानी एक जून तक अंतरिम जमानत दी है। 2 जून को उन्हें सरेंडर करना होगा। ईडी की टीम ने दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में शराब नीति केस में 8वीं चार्जशीट दायर की। ईडी के मुताबिक, अब चार्जशीट में अरविंद केजरीवाल और आप को आरोपी बनाया गया है। शराब नीति मामले में ये पहली चार्जशीट है, जो केजरीवाल के खिलाफ दायर की गई।

पहली बार किसी पार्टी को बनाया आरोपी

प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने दिल्ली शराब घोटाला मामले में सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है। ईडी के द्वारा दायर की गई यह आठवीं चार्जशीट है। इस मामले में यह पहली चार्जशीट है, जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ दाखिल की गई है। ईडी ने दिल्ली शराब नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केजरीवाल की गिरफ्तारी को दी गई चुनौती पर सुनवाई के दौरान ने दावा किया कि जांच एजेंसी के पास यह दिखाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि केजरीवाल ने 100 करोड़ रुपये की रिश्वत की मांग की थी और इसका इस्तेमाल आप ने गोवा विधानसभा चुनाव अभियान में किया।

कोर्ट में ईडी ने बताया हमारे पास पर्याप्त सबूत हैं

उन्होंने कहा कि हमारे पास सबूत हैं कि केजरीवाल एक सात सितारा होटल में रुके थे, जिसके बिल का आंशिक भुगतान मामले के एक आरोपी ने किया था। साथ ही कहा कि केजरीवाल ने खत्म हो चुकी दिल्ली की शराब नीति को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि आप के राष्ट्रीय संयोजक के रूप में केजरीवाल कथित घोटाले के लिए परोक्ष रूप से जिम्मेदार हैं। मुख्यमंत्री होने के बावजूद केजरीवाल के पास कोई विभाग नहीं है।

अब तक 18 गिरफ्तारी

जांच एजेंसी का आरोप है कि साउथ ग्रुप द्वारा प्रदान की गई 100 करोड़ रुपये की रिश्वत में से 45 करोड़ रुपये का इस्तेमाल आप द्वारा 2022 में गोवा विधानसभा चुनाव अभियान के लिए किया गया था। एएसजी राजू ने अदालत को बताया कि रिश्वत हवाला के माध्यम से भेजी गई थी। 21 मार्च को अरविंद केजरीवाल और 15 मार्च को के. कविता समेत 18 लोगों को अबतक गिरफ्तार किया जा चुका है। इस मामले में पिछले साल मार्च में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को भी गिरफ्तार किया गया था और वह अभी भी न्यायिक हिरासत में हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने की थी अहम टिप्पणी

पिछले दिनों दिल्ली हाईकोर्ट ने एक अहम टिप्पणी करते हुए कहा था कि राजनीतिक पार्टियां भी मनी लॉन्ड्रिंग कानून की धारा 70 के दायरे में आती हैं। कथित शराब घोटाले मामले में प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की धारा 70 भी लागू होती है। धारा 70 किसी कंपनी की ओर से किए गए अपराधों के लिए सजा का प्रावधान करती है। अब ईडी ने इस मामले में आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाया है।

प्रशासकों का कार्यकाल बढ़ाने सरकार ले रही विधिक राय

- लोकसभा चुनाव की आचार संहिता खत्म होने के बाद होगा काम शुरु

देहरादून,(ईएमएस)। प्रदेश के नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों में चुनाव से पहले सरकार प्रशासकों का कार्यकाल कुछ समय के लिए बढ़ाने का रास्ता तलाश रही है। इसके लिए विधिक राय ली जा रही है। दो जून को प्रशासकों का कार्यकाल खत्म हो रहा है। एक्ट के हिसाब से यह प्रशासक छह माह तक के लिए ही तैनात हो सकते हैं, लेकिन लोकसभा चुनाव की आचार संहिता छह जून तक लागू है। इसलिए निकाय चुनाव इससे पहले नहीं कराए जा सकते हैं।

पिछले साल दिसंबर से सभी नगर निकायों में कार्यकाल पूरा होने के बाद प्रशासक तैनात हो गए थे। एक्ट के हिसाब से यह प्रशासक दो जून यानी छह माह तक के लिए ही तैनात हुए, लेकिन लोकसभा चुनाव की आचार संहिता छह जून तक लागू है। इस लिहाज से निकाय चुनाव इससे पहले नहीं कराए जा सकते हैं। अब निकाय चुनाव से पहले ओबीसी आरक्षण लागू करने, निकायों में परिसीमन, पदों का आरक्षण जारी करने आदि कार्यों के लिए कम से कम दो माह का वक्त चाहिए।

छह जून को आचार संहिता खत्म होने के बाद ही इस पर काम किया जा सकेगा, लेकिन दो जून को प्रशासकों का कार्यकाल खत्म होने के चलते सरकार अब कुछ समय के लिए उनका कार्यकाल बढ़ाना चाहती है। सूत्रों के मुताबिक, इसके लिए विधिक राय ली जा रही है। सरकार को अपनी तैयारी के लिए एक माह और राज्य निर्वाचन आयोग को करीब 28 दिन की जरूरत है। इसलिए निकाय चुनाव अगस्त-सितंबर तक होने की संभावना बन सकती है। वर्तमान में राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों पर सभी निकायों में मतदाता सूची संशोधन संबंधी काम जारी है।

हेमंत सोरेन को नहीं मिली अंतरिम जमानत

नई दिल्ली (ईएमएस)। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भन शोधन घोटाले के मामले में ईडी की गिरफ्तारी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट से एक बार फिर राहत नहीं मिली। दरअसल, सोरेन ने हाल ही में कोर्ट में याचिका दायर कर लोकसभा चुनाव के मद्देनजर खुद के लिए जमानत मांगी थी। हालांकि, कोर्ट ने इस मामले में अब अगली तारीख दे दी है। सुप्रीम कोर्ट अब सोरेन की जमानत याचिका पर 21 मई को सुनवाई करेगा। इससे पहले अदालत ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को चुनौती देनी वाली याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से 17 मई तक जवाब मांगा था।

मौसम विभाग का अलर्ट.....अगले पांच दिन इन राज्यों में चलेगी हीटवेव

नई दिल्ली (ईएमएस)। इन दिनों देश के कई इलाके भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं। राजधानी दिल्ली में गुरुवार को इस सीजन का सबसे गर्म दिन रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली में गुरुवार को अधिकतम तापमान 42.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। वहीं हरियाणा के सिरसा में अधिकतम तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार को देश के कई स्थानों पर तापमान 43 डिग्री सेल्सियस से लेकर 46 डिग्री सेल्सियस तक रहा। खासकर राजस्थान के अधिकतर इलाकों में, दक्षिणी हरियाणा के कुछ जिलों में, गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में भी कुछ स्थानों पर तापमान 43 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा दर्ज किया गया। यह सामान्य तापमान से 2-4 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले पांच दिनों तक राजस्थान के कुछ इलाकों, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में 18 से लेकर 21 मई तक गर्म हवाएं चलेंगी। उत्तर मध्य प्रदेश में 18 मई से 21 मई तक लू (हीट वेव) चलने की चेतावनी जारी की गई है। पश्चिमी राजस्थान, पंजाब और हरियाणा और दिल्ली के कुछ इलाकों में 18-21 मई के बीच जानलेवा लू चलने की आशंका है।

मौसम विभाग के अनुसार, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल के कुछ इलाकों में 18 से 21 मई के बीच भारी बारिश की आशंका है। साथ ही 20 मई को केरल में भी भारी बारिश का अनुमान है। दरअसल तमिलनाडु के दक्षिणी तट पर चक्रवाती तूफान के असर से यह बारिश होगी। बारिश के साथ ही 40-50 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं भी चल सकती हैं। साथ ही अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, तटीय कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और केरल में भी भारी बारिश का अनुमान है। दक्षिण पश्चिमी मानसून अंडमान सागर में आगे बढ़ रहा है और जल्द ही इसके केरल पहुंचने की संभावना है।

कपिल सिब्बल के सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष बनने पर बधाईयों का लगा तांता

-ममता बनर्जी ने दी बधाई कहा- लोकतंत्र के लिए अपनी जंग जारी रखें

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कांग्रेस नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बन गए हैं। सिब्बल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को भारी मतों से हराकर एससीबीए के अध्यक्ष पद पर अपना कब्जा जमा लिया है। सिब्बल ने दो दशक बाद यह चुनाव लड़ा था। सिब्बल की इस जीत के बाद पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने उन्हें बधाई। हम सबकी मदद से इस महत्वपूर्ण संस्था में आपकी जीत से गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। हम सभी के लिए लोकतंत्र के लिए अपनी इस जंग को जारी रखें।

वहीं, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी इस जीत पर कपिल सिब्बल को बधाई देते हुए कहा कि बधाई सर, बहुत ही बेहतरीन खबर है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि कपिल सिब्बल भारी मतों से सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष चुने गए हैं। वे उदार, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और प्रगतिशील ताकतों की बड़ जीत है।

जयराम ने कहा कि निवर्तमान प्रधानमंत्री के शब्दों में कहें तो ये राष्ट्रीय स्तर पर जल्द ही होने वाले बदलावों का एक ट्रेलर है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पद के चुनाव में सिब्बल को कुल 2350 में से 1066 वोट मिले हैं जबकि वरिष्ठ अधिवक्ता प्रदीप राय 689 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। बता दें कि कपिल सिब्बल दो दशक बाद इस चुनाव में उतरे थे। इससे पहले वह 1995, 1997 और 2001 में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रह चुके हैं।

चारों धाम में रील्स बनाने पर रोक

- 31 मई तक वीआईपी दर्शन नहीं होंगे

देहरादून(ईएमएस)। धाम यात्रा के लिए केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में श्रद्धालुओं की भीड़ प्रशासन के लिए लगातार चुनौती बन रही है। भारी भीड़ को देखते हुए उत्तराखंड सरकार ने 3 बड़े आदेश दिए हैं।

उत्तराखंड की मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा है कि चारों धाम के मंदिरों के 50 मीटर के दायरे में रील्स या वीडियो बनाने पर पाबंदी लगाई गई है। साथ ही वीआईपी दर्शन पर लगी रोक को भी 31 मई तक बढ़ा दिया है। पहले यह रोक 25 मई तक लगाई गई थी। इसके अलावा सरकार ने यात्रा के ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए ऋषिकेश और हरिद्वार में लगाए गए काउंटर को भी तीन दिन तक बंद कर दिया है। यानी अब श्रद्धालु सिर्फ ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन ही कर सकेंगे।

दरअसल, ऋषिकेश और हरिद्वार में भी लगातार भारी भीड़ देखने को मिल रही थी। इस वजह से लोग बिना रजिस्ट्रेशन कराए डायरेक्ट दर्शन के लिए धामों में पहुंच रहे थे। इससे वहां भीड़ को नियंत्रण करने में दिक्कत हो रही थी।

कांग्रेस आई तो राममंदिर पर चलवा देगी बुलडोजर-नरेन्द्र मोदी

बाराबंकी (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा है कि अगर कांग्रेस आई तो राममंदिर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला बदल देगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राममंदिर पर बुलडोजर चलवा देगी। प्रधानमंत्री ने इंडी गठबंधन को नसीहत भी दी कि उन्हें योगी जी से ट्यूशन लेना चाहिए कि कहां बुलडोजर चलाना है और कहां नहीं। पीएम मोदी शुक्रवार को यहां जैदपुर मार्ग के समीप विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आपके एक वोट की ताकत ने 500 साल के इंतजार को खत्म करके भव्य राममंदिर में श्रीरामलला को विराजमान कराया। कहा कि पहले जब लोग रामलला को टेंट में देखते थे तो सरकार को भी भद्दी गालियां देते थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि योगी जी के ओडीओपी मिशन से अब मुझे विदेश जाते वक्त गिफ्ट लेने के लिए चिंता नहीं करनी पड़ती। उन्होंने कहा कि यूपी में जो 'सफाई अभियान' योगी जी ने चलाया है, उसके कारण यहां निवेश का माहौल बना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने रातों-रात कर्नाटक में ठप्पा मारकर मुसलमानों को ओबीसी का आरक्षण दे दिया है। पीएम ने कहा कि मोदी कभी हिन्दू-मुसलमान नहीं करता, बल्कि इंडी गठबंधन के पापों को इतिहास बताता है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि मोदी हैट्रिक लगाने जा रहा है। पीएम ने इंडी गठबंधन को ऊटपटांग खिचड़ी बताते हुए कहा कि ये लोग ताश के पत्तों की तरह बिखरना शुरू हो गये हैं। मोदी ने कहा कि समाजवादी शहजादे की नई बुआ बंगाल में बनी हैं, जो अब कह रही हैं वो इंडी गठबंधन को बाहर से समर्थन देंगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नई सरकार में मुझे गरीबों, युवाओं, महिलाओं और किसानों के लिए बहुत सारे बड़े फैसले लेने हैं। इसलिए मैं बाराबंकी और मोहनलालगंज के लोगों से आशीर्वाद मांगने आया हूं। आज आपके सामने एक तरफ देशहित के लिए समर्पित बीजेपी एनडीए का गठबंधन है। दूसरी तरफ देश में अस्थिरता पैदा करने के लिए इंडी गठबंधन मैदान में है।

चीन हमारी हजारों वर्ग किलोमीटर की जमीन पर कब्जा कर रहा - सोनम वांगचुक

लेह (ईएमएस)। रेमन मैग्सेसे पुरस्कार विजेता सोनम वांगचुक ने लद्दाख को राज्य का दर्जा नहीं देने और इसे संविधान की छठी अनुसूची में शामिल न करने को केंद्र सरकार की वादाखिलाफी करार दिया है। वांगचुक ने कहा, "एक तरफ लद्दाख की जमीन निगमों के पास जा रही है और दूसरी तरफ चीन हमारी हजारों वर्ग किलोमीटर की जमीन पर कब्जा कर रहा है। देश की जनता को हमारा दर्द समझने की जरूरत है। पहाड़ों, ग्लेशियरों और पारिस्थितिकी की रक्षा के लिए संविधान की छठी अनुसूची आवश्यक है। हालांकि, इसकी आवश्यकता पूरे देश में है, लेकिन पहाड़ अति संवेदनशील हैं। मौजूदा समय का इस्तेमाल करो और फेंको का सिद्धांत, चाहे वह प्लेट हो या नदी अथवा ग्लेशियर। हम इसे लद्दाख या देश के लिए नहीं चाहते हैं।

वांगचुक ने कहा कि स्थानीय लोगों को चिंता है कि सुरक्षा उपायों के अभाव में उनकी जमीनों पर कारोबारी घरानों और बाहरी लोगों द्वारा कब्जा कर लिया जाएगा, जो पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र में पर्यावरण का सम्मान नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, "ये ग्लेशियर ही पानी के स्रोत हैं। यह देवभूमि है, इसे आप प्रदूषित नहीं कर सकते।

संविधान की छठी अनुसूची में स्वायत्त जिला परिषदों (एडीसी) के माध्यम से असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम में आदिवासी क्षेत्रों के प्रशासन से संबंधित प्रावधान शामिल हैं। एडीसी को विधायी, न्यायिक और प्रशासनिक मामलों पर स्वायत्तता प्रदान की जाती है और वे भूमि, जंगल, जल और कृषि आदि के संबंध में कानून बना सकते हैं। जलवायु कार्यकर्ता ने कहा कि लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने से यह सुनिश्चित होगा कि कारोबारी घरानों को पहाड़ों के साथ कुछ भी करने से पहले लोगों से पूछना होगा और बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य रुक जाएगा।

यह पूछे जाने पर कि उपवास के बाद वह कैसा महसूस कर रहे हैं, वांगचुक ने कहा, " पहले से अच्छा। उपवास करने से कभी कष्ट नहीं होता।वांगचुक उन लोगों में से थे, जिन्होंने 2019 में संविधान के अनुच्छेद-370 के कुछ प्रावधानों के निरस्त होने के बाद लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा मिलने का स्वागत किया था। हालांकि, अब उनका नजरिया बदल गया है।

वांगचुक ने कहा, "हमने अनुच्छेद-370 को निरस्त करने का समर्थन किया, क्योंकि लद्दाख को जम्मू-कश्मीर का एक जिला बना दिया गया था। लद्दाख एक राज्य अथवा केंद्र शासित प्रदेश बनना चाहता था, जो अनुच्छेद-370 के कारण नहीं हो सका क्योंकि केंद्र सरकार ऐसा नहीं कर सकती थी। तो लोगों को लगा कि अब लद्दाख का अपना अस्तित्व होगा और इसलिए इसका स्वागत किया गया। वांगचुक ने कहा कि इसके साथ ही लद्दाख के पर्यावरण और संवेदनशील पारिस्थितिकी के संरक्षण को लेकर भी चिंता थी।

वांगचुक को उम्मीद है कि नई सरकार लद्दाखियों की मांगों को पूरा करेगी। उन्होंने कहा, "अगर कांग्रेस की सरकार आती है तो हमें बहुत उम्मीदें हैं। अगर भाजपा अपना रुख नहीं बदलती है तो हम उम्मीद करेंगे कि जो लोग लद्दाख की संरक्षण के पक्ष में हैं वे सत्ता में आएं। अगर जरूरत पड़ी तो वांगचुक लद्दाखी जारी रखने के लिए तैयार हैं। लद्दाख में लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होगा।

चलती ट्रेन में मॉडल का यौन उत्पीड़न, ठाणे रेलवे पुलिस थाना में मामला दर्ज

- ग्वालियर में रहती है मॉडल, रेल पुलिस के हाथ नहीं लग पा रहे कोई सबूत

ठाणे, (ईएमएस)। चलती ट्रेन में एक मॉडल के साथ यौन उत्पीड़न होने का मामला सामने आया है। घटना तुलसी एक्सप्रेस की है जब सफर के दौरान मॉडल को नशीला पदार्थ देकर यौन उत्पीड़न किया गया। मॉडल ने मध्यप्रदेश के ग्वालियर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। वहां से यह मामला ठाणे रेल पुलिस को भेजा गया जिसके बाद ठाणे रेल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। अब ठाणे रेलवे पुलिस की विभिन्न टीमें मामले की जांच कर रही हैं, लेकिन पुलिस को घटना के संबंध में फिलहाल कोई ठोस सबूत नहीं मिल सका है। जानकारी के अनुसार पीड़िता की शिकायत के मुताबिक वह ग्वालियर में रहती है। वह मॉडलिंग के लिए मुंबई आती रहती है। वह 10 मार्च को वह तुलसी एक्सप्रेस ट्रेन में सफर कर रही थी. जब ट्रेन ठाणे रेल पुलिस स्टेशन की सीमा में आई तो कुछ लोगों ने उसे बेहोशी की दवा दे दी। इसके बाद उसका यौन शोषण किया. इस घटना के बाद पीड़िता ने 39 दिन बाद ग्वालियर थाने में शिकायत दर्ज कराई. वहां से 21 दिन बाद मामला जांच के लिए ठाणे रेल पुलिस स्टेशन आया। घटना की गंभीरता को देखते हुए ठाणे रेल पुलिस ने विभिन्न टीमों का गठन किया। जिस दिन युवती ने यात्रा की. पुलिस ने उस दिन टिकटों का विवरण प्राप्त किया। हालांकि, पुलिस को पीड़िता के नाम की कोई जानकारी नहीं मिली है. तुलसी एक्सप्रेस समेत गोरखपुर, कुशीनगर के ट्रेन टिकटों का ब्योरा भी निकाला गया है। पीड़िता का कोई नाम नहीं था. पुलिस ने एलटीटी रेलवे स्टेशन से सीसीटीवी फुटेज हासिल करने की कोशिश की. लेकिन घटना दो माह से अधिक समय पहले होने के कारण सीसीटीवी फुटेज नहीं मिल सका. पुलिस टीम ने टिकट निरीक्षक से इस बारे में पूछा. लेकिन उन्होंने भी ऐसी कोई घटना होने की बात नहीं कही। ठाणे रेल पुलिस पीड़िता से संपर्क करने की कोशिश कर रही है। बहरहाल घटना गंभीर होने के कारण पुलिस द्वारा मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

रायबरेली की जनता से बोलीं सोनिया गांधी-अपना बेटा आपको सौंप रही हूं

रायबरेली (ईएमएस)। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने रायबरेली की जनता से भावुक शब्दों में संवाद करते हुए कहा कि मेरा आंचल आपके प्रेम और आशीर्वाद से जीवनभर भरा रहा। आपके प्रेम ने मुझे कभी भी अकेले नहीं पड़ने दिया। मेरा सब कुछ आपका दिया हुआ है। मैं आपको अपना बेटा सौंप रही हूं। जैसे आपने मुझे अपना माना वैसे ही आपको राहुल को अपना मान कर रखना है, राहुल आपको निराश नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि अमेठी-रायबरेली से हमारा रिश्ता 103 साल पहले किसान आंदोलन के समय से शुरू होता है और अब मैं अपना राहुल आपको सौंप रही हूं।

इंडिया गठबंधन की संयुक्त रैली में सोनिया गांधी के साथ मंच पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी मौजूद रहीं। कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी ने कहा कि आपने मुझे सेवा करने का अवसर दिया। यह मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। रायबरेली और अमेठी मेरा परिवार है। पिछले 100 साल से हमारे परिवार की जड़ें इस मिट्टी से जुड़ी हुई हैं। गंगा मां की माटी से रिश्ता रहा है। इंदिरा जी के दिल में रायबरेली के लिए एक अलग जगह थी। उनके मन में आपके प्रति असीम लगाव था। मैंने राहुल और प्रियंका को वही सीख दी है जो इंदिरा जी ने मुझे दी थी। सबका आदर करो। अन्याय और अधिकार की रक्षा के लिए जिससे भी लड़ना पड़े उससे लड़ो। आपके प्रेम ने मुझे कभी अकेले नहीं पड़ने दिया। मेरा सब कुछ आपका है।

जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि पूरा देश देख रहा है। यह समाजवादी और कांग्रेस के कार्यकर्ता एक सैलाब बन गए हैं। पूरे देश को दिखाया है कि पूरे दिल से आप लगे हैं। परिश्रम किया है, यह रायबरेली क्षेत्र है। मेरे परिवार का रायबरेली से गहरा रिश्ता रहा है। इस रिश्ते को अटूट बनाने के लिए राहुल गांधी मैदान में हैं। दस साल से गरीब, किसान, मजदूर, महिलाएं परेशान हैं। जन जन की पुकार थी कि आपकी सुनवाई हो लेकिन नरेंद्र मोदी की सरकार में कोई सुनवाई नहीं हुई। आज इस देश में आंधी उठी है कि सत्ता से तानाशाही सरकार को हटाया जाए। रायबरेली की जनता ने 100 साल पहले आवाज उठाई थी। एक बार फिर रायबरेली देश को सत्ता परिवर्तन के लिए आवाज दे रहा है।

सभा को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा जनसमर में बड़ी संख्या में सभी पदाधिकारी दिखाई दे रहे हैं। जहां से मैं चला हूं। लगातार सड़कों पर सैलाब दिखाई दे रहे हैं। पंडाल के बीच लोग दिखाई दे रहे हैं। यह जनसैलाब फैसला कर रहा है कि राहुल गांधी न केवल जीतेंगे बल्कि रिकार्ड जीत होगी। रायबरेली की यही राय है कि भाजपा यहां से जाए। देश के एक नेता हैं जो हर जगह अपना झूठा रिश्ता निकाल लेते हैं। अब वह देख लें और सुन लें कि राहुल का सच्चा रिश्ता रायबरेली से है। उन्होंने कहा कि एक और एक ग्यारह होता है और भाजपा नौ दो ग्यारह हो रही है। चार चरणों में भाजपा चारों खाने चित हो रही है। भाजपा वाले किसानों पर चार काले कानून लागू कर रहे थे। किसानों को लड़ना पड़ा। कभी पीछे नहीं हटे। किसानों पर काले कानून लागू करने वाले भाजपा के लोग किसानों की जमीन पर कब्जा करना चाहते थे। इन्होंने हर बात झूठी निकली। न केवल किसानों को धोखा दिया बल्कि नौजवान जानते हैं कि पेपर लीक करा दिया। इन्होंने जानबूझ कर पेपर लीक कराए, ताकि इन्हें नौकरी न देना पड़े। इन्होंने नौजवानों का एक तिहाई जीवन बर्बाद कर दिया।

जन हितैषी

ईड़ी के पैरों पर सुप्रीम कोर्ट ने डाली बेड़ियाँ

केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ईड़ी के अधिकारियों द्वारा ?जिस तरह से पीएमएलए कानून में गिरफ्तारियां की जा रही थी। गिरफ्तारी करने के बाद सबूत तलाशे जाते थे। जिन लोगों को ईड़ी गिरफ्तार कर लेती थी। उन्हें महीनो और सालों तक जांच और चार्ज शीट पेश करने के नाम पर जेल में बंद रखकर प्रताड़ित किया जाता था। दिल्ली के शराब घोटाले मामले में 2 साल से आरोपी जेल में बंद है। हनुमान जी की पूंछ की तरह शराब घोटाले में आरोपियों और गिरफ्तारियो की संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही थी। ट्रायल कोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से पीएमएलए कानून में विशेष प्रावधान होने के कारण न्यायपालिका जमानत नहीं दे सकती थी। ईड़ी की कार्यप्रणाली को लेकर धीरे-धीरे खुलासे हुए। तब जाकर सुप्रीम कोर्ट को समझ आया, केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) कानून मे मिले विशेष अधिकारों का दुरुपयोग कर रहे हैं। बिना नियम कानून का पालन किये मनमाने तौर पर आरोपियों को गिरफ्तार किया जा रहा है। मनी लॉन्ड्रिंग कानून में दोहरे प्रावधान होने के कारण आरोपियों को दो अलग-अलग परीक्षण से गुजरना होता था। ईड़ी के अधिकारी पीएमएलए कानून की धारा 19 तथा धारा 45 के नियमों के तहत मिले विशेष अधिकारों का दुरुपयोग कर रहे थे। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जवल भुईया की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई के पश्चात ईड़ी के अधिकारियों के पैरों पर कानून की बेडियां पहना दी ?हैं। अब ईड़ी के अधिकारी कानून के तहत मिले विशेष अधिकारों का दुरुपयोग नहीं कर पाएंगे। सुप्रीम कोर्ट के ही न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपंकर दत्ता की खंडपीठ ने अरविंद केजरीवाल के मामले में भी अंतरिम जमानत देकर, ईड़ी की कार्य प्रणाली और ईड़ी के अधिकारियों द्वारा कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं करने पर जमकर लताड़ लगाई थी। ईड़ी के अधिकारियों द्वारा जो मनमानी की जा रही थी। अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उस पर रोक लग जाएगी। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी अब धारा 19 में किसी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकेंगे, जब तक इसकी अनुमति स्पेशल कोर्ट से न ली गई हो। गिरफ्तारी के पहले अधिकारियों को न्यायालय में सबूत प्रस्तुत करने होंगे। न्यायालय की संतुष्टी होने पर गिरफ्तारी की अनुमति मिलेगी। बिना सबूत, केवल आरोप के आधार पर अब किसी की गिरफ्तारी संभव नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है, जो आरोपी कोर्ट के सामने पेश हो जाता है। उसके संबंध में कोई भी ?निर्णय करने का अधिकार केवल न्यायपालिका को होगा। ??किसी भी कार्यवाही के लिए विशेष अदालत से ईड़ी को पूर्व अनुमति लेना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने जो निर्णय दिया है। उसके अनुसार कोर्ट पहले सरकारी वकील को सुनेगा। उसके बाद यदि कोर्ट संतुष्ट होगी, आरोपी दोषी नहीं है, या उसकी गिरफ्तारी जरूरी है। ऐसे सभी मामलों में न्यायालय द्वारा निर्णय लिए जाएंगे। अदालत को ऐसा लगता है, जमानत मिलने के बाद आरोपी अपराध नहीं करेगा। तो विशेष अदालत (ट्रायल कोर्ट) भी आरोपी को जमानत दे सकेगी। पिछले दो-तीन वर्षों में ईड़ी के अधिकारियों का खौफ सारे देश में सभी वर्गों के ऊपर फैल गया था। पीएमएलए कानून में लंबे समय तक जमानत नहीं होती थी। दोहरे कानून होने के कारण न्यायालय से भी गिरफ्तार व्यक्तियों को जमानत नहीं मिल पा रही थी। विपक्ष लगातार आरोप लगाता था, सरकार के इशारे पर ईड़ी के अधिकारी विपक्षी दलों के नेताओं पर जानबूझकर आरोप के आधार पर जेल भेज रहे हैं। गिरफ्तारी के बाद डरा -धमका कर बयान लेने और सबूत जुटाने का प्रयास ईड़ी के अधिकारी करते हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से ईड़ी का जो खौफ विपक्षी दलों के नेताओं, अधिकारियों, कारोबारी तथा सरकार से सवाल पूछने वाले लोगों के बीच में बना हुआ था। उससे अब लोगों को राहत मिलेगी। राजनीति में भी पारदर्शिता आएगी। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की जवाब देही तय होगी। ईड़ी का कितना भय था, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है। करोड़ों रुपए की ठगी, नकली ईड़ी के अधिकारी बनकर ठग करने लगे थे। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय देर से आया है। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय ने साबित कर दिया है, कानून का राज सभी के ऊपर लागू होता है। सरकार और ईड़ी के अधिकारी इससे अलग नहीं हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से संविधान में वर्णित स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति के मौलिक अधिकार सुरक्षित रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले की सराहना सर्वत्र हो रही है। आपातकाल के दौरान जिस तरह का भय लोगों में 1975 में देखने को मिलता था। उससे ज्यादा भय अघोषित आपातकाल में ईड़ी का भय लोगों के मन में देखने को मिल रहा था। इस डर और भय से मुक्ति दिलाने का काम सुप्रीम कोर्ट ने किया है।

राजनीति में अपशब्द का इस्तेमाल नहीं करें

जिस तरह कोई भी नेता प्रधान मंत्री के बारे में मैं इतना बुरे शब्दों का इस्तेमाल करता व सत्ता पक्ष उसका जबाव देता है ऐ सबों की उसकी बौखलाहट का नतीजा है ऐ रे तुम ताम करना गलत है और प्रधान मंत्री ने उसका जवाब शांतिपूर्वक तरीके से दिया, शांति से काम दें देशहित में बात करें कहाँ क्या हुआ नहीं हुआ ऐ जनता को मालूम है खासकर युवाओ और बुजुर्गो को, देश के सेना पर सबाल उठाना नहीं चाहिए सर्जिकल स्ट्राइक हुआ ऐ मान लें तो क्या होगा क्योंकि ऐ सेना प्रमुख का बयान है जो सरहदो पर हमारी रक्षा करते हैं।

जब निर्दोष होने पर भी आपको प्रतिष्ठा पर आक्रमण हो रहा हो तथा आपका नाम घसीटा जा रहा हो, तो आप बौखलाकर कटु उत्तर न देने लगें, बल्कि संयम से काम लें तथा यत्र तत्र प्रलाप (लूज टाक) न करें। समय आने पर ही उत्तर दें तथा उचित एवं सीमित उत्तर दें। मितभाषी होना सीखें। अधिक बोलनेवाला व्यक्ति स्वयं ही अपने को उलझाकर समस्याएं खड़ी कर लेता है तथा फँसता जाता है। व्यर्थ की बकबक से मनुष्य अपनी गरिमा खो देता है। अति का भला न बोलना अति की भली न चुप्प। जिस बात को आप लिखकर हस्ताक्षरित न कर सकें, उसे कदापि न कहें। बहुभाषिणी न श्रद्दधाति लोक (बाण)। लोग बहुत बोलनेवाले का विश्वास नहीं करते हैं। अत्याचार का प्रतिरोध तो अवश्य अन्त तक करें, किंतु अशोभनीय शब्द न कहें, अभद्र व्यवहार न करें। लोग आपके सौजन्य को भी दुर्बलता कहेंगे, किंतु सौजन्य तो मनुष्य की शोभा है, उत्तम प्रभावकारी गुण है। गाली का जवाब गाली नहीं है, आवत गारी एक है, उलटत होय अनेक। कह कबीर नहिं उलटिए, वही एक को एक। व्यक्तिगत हमला होने पर आपकी मान्यताओं एवं आस्थाओं की परीक्षा होती है। संघर्ष से आपका व्यक्तिगत निखरकर ऊपर उठ सकता है और भौतिक पराजय एवं हानि पर भी आप चमक सकते हैं। वह आपकी विजय होगी। सत्यमेव जयते। सत्य की जय होती है। सत्य को सूर्य सदा के लिए छिपा हुआ नहीं रह सकता है। कभी-कभी मनुष्य के मरने के बाद भी सत्य प्रकट होता है। मनुष्य मरणशील हैं, किंतु सत्य अमर है। लोग तो आपको अपनी दृष्टि से देखते हैं,आत्म-प्रेक्षपण करते हैं। जिनकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत तिन देखी तैसी। दुष्ट लोग सन्तों को घुन्ना, छिपा रुस्तम, बना हुआ पाखंडी, ऊँचा कलाकार कह देते हैं और उन्हें दुष्ट सिद्ध करने का प्रयत्न करते हैं। किसी के गुणप्रकर्ष को न जा सकने से उसकी निंदा होने पर आश्चर्य नहीं है। न वेत्ति यो यस्य गुणप्रकर्ष स तं सदा निन्दति नात्र चित्रम्। यथा किराती करिकुम्भजातां मुक्तां परित्यज्य बिभर्ति गुञ्जाम्। लोग तो अपने स्तर पर रहकर ही तथा अपनी शिक्षा और संस्कारों के अनुसार ही आपका मूल्याकांन करेगे। वे आपके स्तर पर उठकर आपको कैसे देखें ? किंतु कुछ लोग तो जान-बूझकर गुणों को देखते ही नहीं और दोषों को ही देखते हैं। दुष्ट को दूसरों को दोष ही दिखाई देते हैं, गुण नहीं दीखते। सुंदर मणियों से विनिर्मित भवन में भी चींटी छिद्र ही ढूंढती है-सुन्दरमणिमयभवने पश्यति पिपीलिका रन्ध्रम्। छिद्रान्वेषण करना दुष्टों का स्वभाव होता है। दोषदर्शन से कटुता उत्पन्न होती है। सर्प और बिच्छु प्रकृतिवाले दुष्ट वाले (सैडिस्ट) दिनभर इसी में सुख मानते हैं कि आज कितने लोगों को रुला दिया और कितने लोगों को सता दिया। वे दूसरों को सताने में, दूसरों का अकारण अपमान करने में सुख मानते हैं। आप उनसे कितने ही बचें, वे आपको नहीं छोड़ते। वे बनावटी प्रेम दिखाकर खून चूस लेते हैं। अपनी स्वार्थ-सिद्धि के लिए आपके पेट में घुसकर आपसे काम ले लेते हैं और आपको आवश्यकता होने पर वे आपको सहायता देने के बजाय हानि पहुँचाने में सक्रिय हो जाते हैं तथा अपने क्रूर अत्याचार को सिद्धान्तों का जामा पहनाकर स्वयं अच्छे, भले नजर आते हैं। ऐसे व्यक्ति जब उच्च पदाधिकारी अथवा धन के कारण सत्ताधारी हो जाते हैं, तो त्राहि-त्राहि मच जाती है। उनके दमन का डटकर प्रतिरोध करते हुए भी उन्हें प्रेम से ही सुधारा जा सकता है। सन्त उन्हें क्षणा ही करते हैं। साधुपुरुष संकट में भी उत्तम स्वभाव का परित्याग नहीं करते। कपूर आग में जलने पर सुगान्धित हो जाता है। स्वभावं न जहात्यन्तः साधुरापद्गतो ?पि सन्। कर्पूरः पावकप्लुष्टः सौरभं भजतेतराम्। निन्दक को धन्यवाद दो। यदि नाटक में खलनायक (विलेन) न हो, तो नायक (हीरो) के व्यक्तित्व में चमक न आयेगी। विश्वास रखो कि समाज में एक दिन आपकी सत्यनिष्ठा का मान अवश्य होगा। वास्तव में निंदक आपके नाम को चमकाने में लगे हुए हैं। अतः राजनीति में कोई हारता है और कोई जीतता है लेकिन वाणी में संयम रखें सही है उनकी पार्टी के लिए बदलाव होना चाहिए संयम से काम लें शांति से उपाय सोचें नहीं तो अगर आप चुनकर भी आते हैं तो दूसरे को किस तरह जवाब देंगे वैसे हीं तो कोई आपसे बात नहीं करेगा। (लेखक-संजय गोस्वामी/ ईएमएस)

झूठे वायदों एवं वादों से चुनाव को बचाना होगा

लोकसभा चुनाव के चार चरण पूरे हो गये हैं, पांचवें चरण की ओर बढ़ते हुए चुनावी सरगर्मी बढ़ रही है। तमाम राजनीतिक दलों में वास्तविकता से दूर झूठे, तथ्य-आधारहीन, भ्रामक एवं बेबुनियाद वादे करने की आपसी होड़ बढ़ती जा रही है। राजनीतिक दल चार चरणों के बाद जिस तरह के जीत के तथ्य प्रस्तुत कर रहे हैं, वह हास्यास्पद एवं अविश्वसनीय है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के 4 चरण पूरा होने के बाद विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' यानी इंडिया गठबंधन मजबूत स्थिति में है और चार जून के बाद सरकार बनाएगा। इसी तरह ममता बनर्जी, अरविन्द केजरीवाल एवं अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी की करारी हार की बात कही है। वर्ष 2019 के चुनाव के दौर भी इन नेताओं ने ऐसे ही बयान दिये थे, जो चुनाव परिणाम के बाद झूठे साबित हुए। इस तरह के अतिश्योक्तिपूर्ण, आधे-अधूरे, सत्यता से परे के बयानों से राजनीतिक दलों की विश्वसनीयता अपने निचले पायदान पर पहुंच चुकी है और तेज़ी से घट रही है। जिस प्रकार विभिन्न दलों के नेताओं की भाषा, बयान एवं लोकलुभावन वायदे निम्न स्तर पर पहुंच रहे है, उसे देखकर कहा जा सकता है कि हमारे लोकतंत्र का स्वास्थ्य कहीं-ना-कहीं खराब जरूर हो रहा है।

आम आदमी पार्टी (आप) के वादे और उनके काम के बीच फ़ासला लगातार बढ़ता रहा है, देश की भोली भाली जनता को आपका बेटा, आपकी बेटी कहकर सहानुभूति पाने की उसकी कुचेष्टाओं का पर्दापाश पहले ही हो गया है। 'आप' ने अपने कामकाज के तरीक़े में पूरी पारदर्शिता का वादा किया था, लेकिन लोकसभा के लिए उम्मीदवारों के चयन में इसका ख्याल नहीं रखा गया है। हाल ही में पंजाब की चुनावी सभाओं में पार्टी नेता अरविन्द केजरीवाल ने बृजभूषण पर तो गंभीर आरोप लगाते हुए भाजपा को दागगार घोषित किया लेकिन वे अपने ही मुख्यमंत्री निवास पर राज्यसभा सांसद एवं पूर्व दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाती मालीमाल के साथ हुई मारपीट एवं अशिष्टता को भूल गये। निश्चित ही आप की कथनी और करनी में गहरा फासला है। इन्हीं केजरीवाल ने जनता को गुमराह करने एवं ठगने के लिये पिछले गुजरात के विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान एक सादे कागज पर अपने हस्ताक्षर करते हुए गुजरात में आप की सरकार बनने का दावा किया, जबकि उन चुनावों में आप के 4-5 सीटों पर जीत के अलावा सभी सीटों पर आप उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गयी थी। एक बार फिर इन लोकसभा चुनावों में वे ऐसा ही करते हुए झूठे दावे कर रहे हैं। इससे आप पार्टी की विश्वसनीयता एवं पारदर्शिता के दावों पर सवालिया निशान लग रहे हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में दावा किया है कि उनकी पार्टी 2009 के आम चुनाव से बेहतर प्रदर्शन करेगी। यह दावा वास्तविकता से कोसों दूर है और राजनीतिक हलकों में उपहास का विषय बन गया है। जब कांग्रेस ने इन चुनावों में कोई लक्ष्य ही तय नहीं किया है तो कौन से लक्ष्य को पाने एवं जीत की बात कांग्रेस कर रही है? जैसे भाजपा ने 400 पार का लक्ष्य बनाया है, क्या कांग्रेस का ऐसा कोई लक्ष्य है? पार्टी के कार्यकर्ता बिना लक्ष्य के किसे अपना मिशन बनाये? कांग्रेस का एक दावा ये भी है कि वो लोकसभा में साफ सुथरी छवि वाले उम्मीदवारों को उतार रही है लेकिन वास्तविकता इसके उलट है। कई उम्मीदवारों को भ्रष्टाचार के उन आरोपों के बाद भी टिकट दिए गए हैं जिसकी जांच सीबीआई कर रही है। हाल के दिनों में, प्रत्येक राजनीतिक दल के घोषणापत्र में वादों की लंबी चौड़ी फेहरिस्त सामने आयी है। जबकि अतीत में किए उनके काम बताते हैं कि सत्ता में आने के बाद वे अपने घोषणा पत्र के कुछ ही हिस्सों को लागू कर पाते हैं। जो सत्ता में नहीं आ पाते वो अपने घोषणापत्र को कूड़े के डब्बे में डाल देते हैं। विडम्बना तो यह भी है कि जिन दलों को चुनाव जीतने की आशा नहीं है, वे बेतूके वायदे एवं घोषणाएं करके आम मतदाता को भ्रमित करते हैं। शुरुआत से ही राजनीतिक दल वादे इसलिए करते हैं कि लोग उन्हें सत्ता की चाभी सौंपें। लेकिन चुनावी मौसम में राजनीतिक दल और राजनेता अपने अपने कामों के बारे में बढ़ चढ़कर दावे करते हैं और उन्हें भरोसा रहता है कि मासूम और भोली जनता उनके दावों पर यकीन कर लेगी, इसलिए वे लुभावने वादों की झड़ी लगा देते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने उत्तरप्रदेश की एक सभा में चार चरण पूरे होने के बाद भाजपा के 5 किलो मुफ्त अनाज की जगह 10 किलो मुफ्त अनाज की घोषणा कर है। बेवक्त पर की गयी यह घोषणा भी पार्टी की अपरिपक्वता को उजागर कर रही है। हालांकि ऐसे वादे हमेशा खाली जाते हैं या अधूरे रहते हैं। वादे करने का मतलब उसे पूरा करना ही नहीं होता। अतीत में, कांग्रेस की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने ग़रीबी हटाओ के नारे के साथ 1971 का चुनाव ज़रूर जीता था। लेकिन लगातार दो बार सत्ता में आने के बाद भी देश से ग़रीबी नहीं हटी क्योंकि ज्यादातर सरकारी योजनाएं आम ग़रीबों तक पहुंची ही नहीं। अतीत गवाह है विगत दावों और वादों की हक़ीक़त का। हालांकि यह देखना बाक़ी है कि किसने सबक लिया और कौन अपने वादों और दावों के प्रति गंभीर रहेगा।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राजधानी लखनऊ में एक ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सपा प्रमुख ने दावा किया कि विपक्षी इंडिया' गठबंधन उत्तर प्रदेश में 79 लोकसभा सीटें जीतेगा, और सिर्फ एक सीट पर ही मुकाबला है। ऐसे अतिश्योक्तिपूर्ण बयान कभी सच होते हुए नहीं देखें गये हैं। निश्चित ही चुनाव परिणाम भविष्य के गर्भ में है एवं इसकी 4 जून को घोषणा सभी के लिये आश्चर्यकारी एवं चमत्कृत करने वाली होगी। देश का अगला प्रधानमंत्री चुनने के लिए चार चरणों की वोटिंग पूरी हो चुकी है। लोकसभा की कुल 543 सीटों में 380 सीटों के लिए वोट डाले चुके हैं। इन चार चरणों की वोटिंग के बाद हर राजनीतिक दल हवा का रुख भांपने को कोशिश कर रहा है लेकिन उनका यह आकलन सत्य से परे हो, बिलकुल ही आधारहीन हो, इसे लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये अनुकूल नहीं माना जा सकता। यहां सत्ताधारी भाजपा से लेकर विपक्षी कांग्रेस सभी अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इन चार चरणों में 270 सीटें जीतने का दावा करते हुए 400 का टार्गेट आसानी से पूरा करने की बात कही, वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इंडिया गठबंधन की सरकार बनने का दावा किया है।

भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जो वायदें किये, उन्हें पूरा किया। 1990 के दशक और 21वीं शताब्दी के शुरुआती सालों में भारतीय जनता पार्टी अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनाने के वादे के साथ सत्ता में आई एवं उसने मन्दिर बना दिया। भाजपा ने ख़ुद को पार्टी विद डिफ़रेंस कहकर भी प्रचारित किया और जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे को ख़त्म करने का वादा भी किया। उसने वह भी पूरा किया। पिछले 10 वर्षो में देश ने विकास की जो रफ्तार पकड़ी है, उसे देश एवं दुनिया खुली आंखों से देख रही है। फिर भी चुनाव का समय मतदाताओं के जागने एवं विवेक से अपना मतदान करने की अपेक्षा करता है। लोकतंत्र में मतदाताओं की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे चुनाव के अवसर पर राजनीतिक दलों की परख करें। झूठों एवं दुष्टों की एकजुटता ही जगत में कष्टों की वजह है एवं लोकतंत्र को कमजोर करने का बड़ा कारण है। जब तक ईमानदार एकजुट नहीं होंगे, तब तक जगत की कोई समस्या हल नहीं होगी। और ईमानदारों का एकजुट न होना दुष्टों एवं झूठों का असली बल है। कभी-कभी ऊंचा उठने, सत्ता पाने और भौतिक उपलब्धियों की महत्वाकांक्षा राष्ट्र को यह सोचने-समझने का मौका ही नहीं देती कि कुछ पाने के लिए उसने कितना खो दिया? और जब यह सोचने का मौका मिलता है तब पता चलता है कि वक्त बहुत आगे निकल गया और तब राष्ट्र अनिर्णय के ऊहापोह में दिग्भ्रमित हो जाता है। इस चुनाव को इस विम्बना से बचाना है।(लेखक-ललित गर्ग / ईएमएस)

मोदी के बाद फिलहाल मोदी ही, और कोई नहीं

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बहुत छलिया हैं । उन्होंने भाजपा और आरएसएस के साथ ही प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र दामोदर दास मोदी की दुखती रग को छेड़ दिया है। केजरीवाल ने कहा है कि मोदी जी की तो रिटायरमेंट की उम्र हो चुकी है ,उनके बाद कौन उनकी दी जा रही गारंटियां लेगा ? केजरीवाल को ऐसा नहीं कहना चाहिए ,क्योंकि मोदी जी आम आदमी पार्टी का नहीं भारतीय जनता पार्टी का अंदरूनी मामला हैं।

केजरीवाल की टिप्पणी के बाद पूरी भाजपा बिलबिला गयी है ,लेकिन केंद्रीय गृहमंत्री और मोदी जी के हनुमान श्री अमित शाह से नहीं रहा गया । उन्होंने कह ही दिया कि मोदी जी अभी रिटायर होने वाले नहीं हैं,वे 2029 तक देश के प्रधानमंत्री रहेंगे। शाह साहब आखिर मोदी जी के बारे में इससे ज्यादा क्या कहते ? वे ये तो नहीं कह सकते थे कि मोदी जी 2034 तक प्रधानमंत्री रहेंगे या 2047 तक ? शाह साहब को खुद नहीं पता कल के बारे में । लेकिन मैं चाहता हूँ कि मोदी जी कब तक प्रधानमंत्री रहेंगे ये भाजपा या शाह या केजरीवाल पर नहीं खुद मोदी जी के ऊपर छोड़ देना चाहिए। कोई उन्हें लालकृष्ण आडवाणी जी की तरह धकियाकर प्रधानमंत्री बने ये मुझे बर्दाश्त नहीं।

भारत की राजनीति में जैसे कांग्रेस के राहुल गांधी मोदी जी के सिर पर सवार एक भूत हैं ठीक उसी तरह मोदी जी का भूत राहुल गांधी के ही नहीं बल्कि पूरे विपक्ष और देश की 37 फीसदी आबादी के सिर पर सवार हैं। भूत होना कोई बुरी बात नहीं है। भूत ही अभूतपूर्व होता है। मोदी जी को नाश्ते में हर रोज दो किलो गालियां लगतीं हैं, वे अभूतपूर्व होने पर भी मिल रहीं है और भूतपूर्व होने पर भी आसानी से मिलेंगीं। जैसे मोदी जी दस साल बाद भी हर असफलता के लिए कांग्रेस की सरकार और देश के पहले प्रधानमंत्री से लेकर सत्रहवें प्रधानमंत्री को कोसते रहते हैं ,उन्हें भी वही उपचार उपलब्ध रहेगा।

दरअसल मोदी जी को लेकर देश ही नहीं पूरी भाजपा और भाजपा की जननी आरएसएस बुरी तरह से उलझ गयी है । दोनों के पास इस सवाल का कोई फौरी जबाव नहीं है कि - मोदी के बाद कौन ? इस सवाल पर दोनों संस्थाएं मौन हैं। तय है कि मोदीजी के बाद कोई तो होगा ? किन्तु किसी में इतना साहस नहीं है कि वो मोदी जी के सामने ये घोषणा कर सके कि मोदी के बाद फलां साहब भाजपा की और से प्रधानमंत्री के प्रत्याशी होंगे। ये समस्या ठीक वैसी ही है जैसी कि कांग्रेस में है। कांग्रेस में - राहुल के बाद कौन पर सब मौन रहते हैं। ? हालाँकि कांग्रेस में राहुल के बाद उनकी बहन खड़ी नजर आतीं है लेकिन भाजपा में तो मोदी के बाद कोसों ,मीलों दूर तक केवल और केवल मोदी जी ही दिखाई देते हैं।

मुझे तो कभी -कभी लगता है कि आज भी मोदी के आगे या पीछे केवल मोदी जी ही हैं। ठीक उसी तरह जैसे तीतर के आगे दो तीतर ,तीतर के पीछे दो तीतर होते हैं यानि आगे तीतर ,पीछे तीतर। अब बोलो कितने तीतर ? भाजपा में मोदी एक नहीं अनेक का प्रतीक हैं। वे अपने पूर्ववर्ती अटल बिहारी बाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी ही नहीं अपितु संघ के संस्थापक से भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो जायेंगे। भाजपा चाहकर भी मोदी जी को किसी कालपत्र में रखकर जमीदोज नहीं कर सकती। ड कालपात्र बनाने और उसे जमीदोज करने का सिलसिला तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने शुरूकिया था .

मुझे लगता है कि अरविंद केजरीवाल खामखां माननीय मोदी जी से उलझ रहे हैं। उन्हें खुछ ख़ास हासिल नहीं होगा सिवाय इसके कि वे भी मोदी जी की तरह दिल्ली वालों से अपने लिए तीसरा कार्यकाल मांगेंगे। क्योंकि आम आदमी पार्टी में भी केजरीवाल के बाद कोई नहीं है । और अगर हैं तो इतने हैं कि केजरीवाल के बाद खुद आपस में लड़-भिड़कर समाप्त हो जायेंगे। हाँ केजरीवाल के पास एक विकल्प है जो मोदी जी के पास नहीं है । केजरीवाल अपनी पत्नी सुनीता को दिल्ली की राबड़ी देवी बना सकते हैं ,लेकिन मोदी जी ऐसा सात जन्म में भी नहीं कर सकते। क्योंकि उन्होंने अपने पहले जन्म में ही अपनी पत्नी का त्याग कर दिया। अपने उत्तराधिकारी के रूप में पत्नी को बैठने की इस परम्परा के लिए भारत की राजनीति माननीय लालू प्रसाद यादव की सदियों तक आभारी रहेगी। लालू जी को इसी अभिनव प्रयोग के लिए भारतरत्न मिलना चाहिए था।

बहरहाल अभी लोकसभा चुनाव के तीन चरण शेष हैं। तीन चरण के बाद आठवां चरण मतगणना का होग। इसी के बाद पता चलेगा कि देश को मोदी के किसी उत्तराधिकारी की जरूरत है भी या नहीं ? वैसे जैसे पति-पत्नी की जोड़ी बनाने का काम ऊपर वाला करता है वैसे ही उत्तराधिकारी बनाने का काम भी किसी न किसी के हाथ में तो होगा ही। अब नेहरू जी कौन सा शास्त्री जी को अपना उत्तराधिकारी घोषित करके गए थे ,लेकिन वे नेहरू जी के उत्तराधिकारी बने । ऐसे ही शास्त्री जी के बाद इंदिरा गाँधी को भगवान ने ही शास्त्री जी का उत्तराधिकारी बनाया कि नहीं ? इंदिरा जी के बाद मोरारजी भाई या चौधरी चरण सिंह को किसी ने भी इंदिरा गाँधी का उत्तराधिकारी नहीं बनाया था लेकिन वे बने।

उत्तराधिकार किस्मत से मिलता है। जैसे राजीव गांधी के बाद वीपी सिंह को मिला । वीपी सिंह के बाद चंद्रशेखर, नरसिम्हाराव और अटल बिहारी बाजपेयी को मिला। देवगौड़ा ,इंद्रकुमार गुजराल और डॉ मनमोहन सिंह को मिला। खुद नरेंद्र मोदी जी को मिला। ऐसे ही केजरीवाल को परेशान नहीं होना चाहिए कि मोदी जी के बाद कौन उनका उत्तराधिकारी होगा। फिलहाल अगर ताकत है तो पहले मोदी जी को अभूतपूर्व से भूतपूर्व बनाने की जुगत बैठाइये, अन्यथा घर बैठिये। (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8010

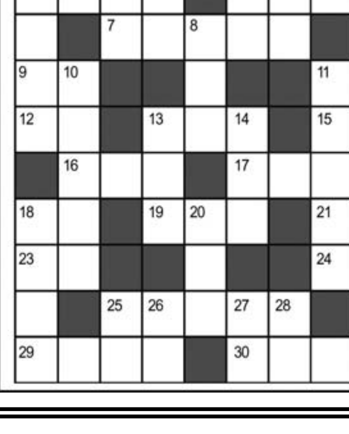

बाएँ से दाएँ

1. जनमत-4
4. सचेत,सजग-4
7. सहयात्री,संगी-5
9. रुपया,पैसा -2
11. छोटी सवारी गाड़ी-2
12. घ्राणेंद्रिय-2
13. बेकार-3
15. झुका हुआ-2
16. बसंत काल-3
17. टिड्डा-3
18. अन्वेषण, ढूंढना-2
19. जलने की प्रक्रिया-3
21. एक विदेशी शराब-2
23. कला,हुनर-2
24. मैदे की एक प्रकार की रोटी-2
25. आत्मबलिदानी-5
29. करामात-4
30. नामसूची-4

ऊपर से नीचे

1. पूजा,प्रार्थना-4
2. मार्ग,पथ-2
3. यमराज,मृत्युदेवता-2
4. स्वच्छ-2
5. दूल्हा,वरदान-2
6. द्वेष,ईर्ष्या-4
8. तमीज,तहजीब-3
10. सेंधमार-5
11. चुगली करना-5
13. देवर्षि-3
14. रसद,खाद्य सामग्री-3
18. भयानक,डरावना-4
20. अक्षर (उर्दू-3)
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर की फिल्म-5
25. तेज,सत्य-2
26. ईश्वर,भगवान-2
27. रुदन,क्रंदन-2
28. मोमबत्ती(उर्दू-2)

शब्द पहेली -8009 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर मुफ्त में देख सकेंगे टी20 विश्वकप

नई दिल्ली (ईएमएस)। अगले माह वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले आईसीसी टी20 विश्वकप को प्रशंसक डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर मुफ्त में देख सकेंगे। प्रशंसकों इसके लिए अपने मोबाइल में इस एप्प को मुफ्त में डाउनलोड कर विश्व कप का आनंद ले सकते हैं।

इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम को ग्रुप ए में रखा गया है जिसमें आयरलैंड, मेजबान अमेरिका, पाकिस्तान और कनाडा की टीमें शामिल हैं। टीम इंडिया का पहला मैच 5 जून को आयरलैंड से है। वहीं दूसरे मैच में उसका मुकाबला पाकिस्तान से होगा जबकि तीसरे ग्रुप मैच में भारत का मुकाबला मेजबान अमेरिका से होगा। चौथा मैच कनाडा के खिलाफ 15 जून को भारतीय टीम का होगा। . भारतीय टीम का ग्रुप स्तर में पाक से कड़ा मुकाबला होगा।

टी20 विश्व कप में 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इसमें पांच पांच टीमों को 4 ग्रुपों में बांटा गया है. प्रत्येक ग्रुप से टॉप 2 में रहने वाली टीमें सुपर 8 के लिए क्वालीफाई करेंगी। इसके बाद सभी आठ टीमों को चार चार के दो ग्रुप में बांटा जाएगा।

एजबेस्टन स्टेडियम में प्रशंसक देख सकेंगे भारत और पाकिस्तान मुकाबले की लाइव-स्ट्रीमिंग

बर्मिंघम (ईएमएस)। इंग्लैंड के एजबेस्टन स्टेडियम में प्रशंसकों के लिए एक फैन पार्क रहेगा। इसमें वे टी20 विश्व कप 2024 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले की लाइव-स्ट्रीमिंग देख सकेंगे। इस फैन पार्क में 8,000 दर्शकों के लिए जगह है। यूके में यह पहली बार होगा कि प्रशंसक स्टेडियम में किसी क्रिकेट मैच की लाइव-स्ट्रीमिंग देखेंगे। आयोजन स्थल के आधिकारिक बयान में कहा गया है, प्रशंसक बड़ी स्क्रीन पर एक्शन देख सकेंगे और इस कार्यक्रम का आनंद ले सकेंगे। इस दौरान कॉमेडियन और क्रिकेट कमेंटेटर आतिफ नवाज भारत और पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ियों के साथ मंच पर रहेंगे।

एजबेस्टन के मुख्य कार्यकारी स्टुअर्ट कैन ने कहा, ये एकमात्र स्थान हैं जिसे आईसीसी ने टी20 विश्व कप फैन जोन स्थान के रूप में चुना है जो हौरानी की बात है। यह हमारे स्थानीय समुदायों के लिए वास्तव में टी20 विश्व कप के अनुभव का हिस्सा महसूस करने का एक अवसर है और मुझे भरोसा है कि यह एक शानदार रहेगा। पाकिस्तान और भारत के प्रशंसकों ने 2019 क्रिकेट विश्व कप में यहां शानदार माहौल बनाया था और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि हम फैन जोन में इसे दोहराने के करीब पहुंच सकते हैं।

खेल - समाचार

जय शाह के पसंदीदा खिलाड़ी हैं गावस्कर, सचिन और धोनी

नई दिल्ली (ईएमएस)। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा है कि मेरे पसंदीदा क्रिकेटर सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और महेंद्र सिंह धोनी हैं। इसके साथ ही उन्हें रोहित शर्मा, विराट कोहली और हार्दिक पंडया भी अच्छे लगते हैं। गावस्कर लगातार 100 टेस्ट खेलने वाले विश्व के पहले खिलाड़ी हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ डेब्यू टेस्ट सीरीज में 774 रन बनाए थे।

इंडियन प्रीमियर लीग में धोनी चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलते हैं। टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा 5 बार आईपीएल ट्रॉफी जीतने के दौरान वहीं कप्तान रहे हैं। भारतीय टीम ने धोनी की कप्तानी में 2 विश्व कप जीते हैं। वहीं भारतीय टीम ने 3 बार धोनी की कप्तानी में आईसीसी ट्रॉफी जीती है। वहीं सचिन ने 200 टेस्ट और 463 एकदिवसीय खेले हैं। उनके नाम टेस्ट में 51 शतक और 68 अर्धशतक हैं जबकि वनडे में उन्होंने 49 शतक और 96 अर्धशतक लगाए. वह अंतरराष्ट्रीय करियर में 100 शतक लगाने वाले एकमात्र बल्लेबाज हैं

टी20 विश्वकप के अभ्यास मैचों का कार्यक्रम जारी, भारत का पहला मुकाबला 1 जून को

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टी20 विश्वकप 2024 के लिए अभ्यास मैचों का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसमें काफी कम अभ्यास मैच रखे गये हैं। अभ्यास मुकाबले 27 मई से शुरू हो जाएंगे। सबसे पहला मुकाबला कनाडा और नेपाल के बीच होगा पर भारतीय टीम अपना मैच 1 जून शनिवार को बांग्लादेश से खेलेगी। इसके लिए दोनों ही टीमों ने अपने दल की घोषणा भी कर दी है। दोनों टीम के बीच अब तक 13 बार मुकाबले हुए हैं। इसमें भारतीय टीम ने 12 मुकाबलों को जीता है। वहीं बांग्लादेश को केवल एक मुकाबले में जीत मिली है।

वॉर्म अप मैच का कार्यक्रम इस प्रकार है :

27 मई के मुकाबलेः

1 कनाडा और नेपाल

2 नामिबिया और यूगांडा

3 ओमान और पापुआ न्यू गिनी

28 मई के मुकाबलेः

1 श्रीलंका व नीदरलैंड

2 ऑस्ट्रेलिया व नामिबिया

3 बांग्लादेश व यूएसए

29 मई को खेले जाने वाले मुकाबलेः

1 दक्षिणा अफ्रीका व इंट्रास्क्वॉड

2 अफगानिस्तान व ओमान

30 मई को खेले जाने वाले मुकाबलेः

1 नेपाल बनाम अमेरिका

2 नीदरलैंड्स बनाम कनाडा

3 वेस्टइंडीज बनाम ऑस्ट्रेलिया

4 स्कॉटलैंड बनाम यूगांडा

5 नामिबिया बनाम पापुआ न्यू गिनी

31 मई को खेले जाने वाले मुकाबलेः

1 आयरलैंड बनाम श्रीलंका

2 स्कॉटलैंड बनाम अफगानिस्तान

1 जून को खेले जाने वाले मुकाबलेः

1 भारत और बांग्लादेश

ब्राजील करेगा 2027 महिला फुटबॉल विश्व कप की मेजबानी

बैंकॉक (ईएमएस)। 2027 महिला फुटबॉल विश्व कप फुटबॉल ब्राजील में खेला जाएगा। ब्राजील के अलावा बेल्जियम, नीदरलैंड और जर्मनी ने भी मेजबानी का एक संयुक्त प्रस्ताव दिया था पर विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था फीफा ने उसकी जगह पर ब्राजील को आयोजन की जिम्मेदारी दी। फीफा कांग्रेस ने ब्राजील के पक्ष में 119 वोट दिए जबकि संयुक्त यूरोपीय बोली को 78 वोट मिले। इससे पहले अमेरिका और मैक्सिको ने अपनी मेजबान का संयुक्त प्रस्ताव पिछले महीने ही वापिस ले लिया था जबकि दक्षिण अफ्रीका ने नवंबर में मेजबानी से इंकार कर दिया था। पहली बार महिला फुटबॉल विश्व कप किसी दक्षिण अमेरिकी देश में खेला जाएगा।

नीरज ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2024 में भाग लेंगे

पीटर्स और वाडलेज्च से मिलेगी टक्कर

भुवनेश्वर (ईएमएस)। भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 28 मई को चेकिया में होने वाली ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2024 एथलेटिक्स स्पर्धा में भाग लेंगे। इसमें ओलंपिक और विश्व चैम्पियन नीरज को मेजबान खिलाड़ी वाडलेज्च और ग्रेनाडा के पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स के टक्कर मिलेगी। पीटर्स को दोहा में तीसरा स्थान मिला था। नीरज के पिछले साल 62वें ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक एथलेटिक्स मीट में भाग लेने की संभावनाएं थीं पर मांसपेशियों में चोट की वजह से वह टूर्नामेंट से बाहर हो गये थे। वहीं वाडलेज्च ने साल 2023 में 81.93 मीटर के थ्रो के साथ ही गोल्डन स्पाइक पुरुषों का भाला फेंक खिताब जीता था। इस स्पर्धा में इटली के मार्सेल जैकब्स, मौजूदा 100 मीटर पुरुष ओलंपिक चैंपियन, जियानमाकर ताम्बरी, पुरुषों की हाई जंप में मौजूदा ओलंपिक सह-चैंपियन और स्वीडिश पोल वॉल्टर मोंडो डुप्लांटिस भी भाग लेंगे।

इसके बाद नीरज यूरोप में 18 जून को फिनलैंड के तुकूर् में पावो नूरमी गेम्स में भाग लेंगे। नीरज पेरिस में होने वाले ओलंपिक में खिताब का बचाव करने उतरेंगे। उन्होंने 11 मई को दोहा डायमंड लीग में अपने सत्र की शुरुआत की और 88.36 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे। नीरज का यह थ्रो टोक्यो 2020 के रजत पदक विजेता जैकब वाडलेज्च के थ्रो से सिर्फ 2 सेमी कम था, जिन्होंने स्वर्ण पदक हासिल किया।

टी20 विश्वकप में सबसे अधिक मेडन ओवर का रिकार्ड है हरभजन के नाम

नई दिल्ली (ईएउमएस)। टी20 क्रिकेट को बल्लेबाजों का खेल कहा जाता है और इसमें आक्रामक बल्लेबाज छाये रहते हैं। ऐसे में किसी गेंदबाज के लिए मेडन ओवर करना एक बड़ी उपलब्धि माना जाता है। वहीं अगर टी20 विश्वकप को देखा जाये तो मेडन ओवर फेंकने के मामले में एशियाई गेंदबाज छाये रहे हैं।

टी20 विश्वकप में 7 से कम की इकोनॉमी दर्ज करने वालों में स्पिनरों में वानिंदु हसरंगा, सेमुअल बद्री और नाथम मैक्कुलम जैसे स्पिनर शामिल हैं।

भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह के नाम टी20 विश्वकप में सबसे अधिक मेडन ओवर फेंकने का रिकॉर्ड है। 2007 के पहले टी20 विश्वकप (इसमें टीम इंडिया चैंपियन बनी थी) से लेकर 2012 तक, चार टूर्नामेंट खेले उसमें हरभजन ने 19 मैचों की 18 पारियों में कुल 69 ओवर फेंके हैं जिसमें चार मेडन रहे हैं। उन्होंने 29.25 के औसत, 6.78 की इकोनॉमी और 25.87 के स्ट्राइक रेट से 16 विकेट हासिल किए हैं। इस दौरान हरभजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 12 रन देकर चार विकेट रहा है। उन्होंने 2007 में 26.00 के औसत से 7, वर्ष 2009 में 26.20 के औसत से 5 और 2012 में 8.00 के औसत से चार विकेट हासिल किए थे।

वहीं मेडन ओवर फेंकने में श्रीलंका के अजंता मेंडिस, नुवान कुलसेकरा व रंगना हेराथ और पाकिस्तान के मोहम्मद आमिर संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। इन चारों गेंदबाजों ने टूर्नामेंट में तीन-तीन मेडन ओवर फेंके हैं। इनमें आमिर का टी20 वर्ल्डकप 2024 में खेलना लगभग तय है, ऐसे में इस पाकिस्तानी गेंदबाज के पास हरभजन के रिकॉर्ड की बराबरी या इसे पीछे छोड़ने का अवसर होगा।

श्रीलंका के रहस्यमयी स्पिनर अजंता मेंडिस ने 2009 से 2014 के बीच 21 मैचों में 78.3 ओवर फेंकते हुए 15.02 के औसत, 6.70 की इकोनॉमी और 13.45 के स्ट्राइक रेट से 35 विकेट लिए हैं. टी20 वर्ल्डकप का सर्वश्रेष्ठ बॉलिंग विश्लेषण दर्ज कराते हुए उन्होंने 2012 में हम्बनटोटा के मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ महज 8 रन देकर छह विकेट अपने नाम किए थे। वहीं इसी प्रकार श्रीलंका के ही स्पिनर हेराथ ने 2012 से 2016 के बीच तीन टी20 विश्वकप के 10 मैचों में 35.3 ओवर गेंदबाजी करते हुए 16.46 के औसत, 6.02 की इकोनॉमी और 16.38 के स्ट्राइक रेट से 13 विकेट लिए हैं। श्रीलंका के नुवान कुलसेकरा ने 2009 से 2016 के बीच टूर्नामेंट के 18 मैचों के 58.5 ओवर्स में 25.29 के औसत, 7.30 की इकोनॉमी और 20.76 के स्ट्राइक रेट से 17 विकेट लिए हैं।

पाकिस्तान के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने 2009 से लेकर 2016 के बीच टी20 वर्ल्डकप के 17 मैचों में 62 ओवर फेंकते हुए 26.17 के औसत 7.17 की इकोनॉमी और 21.88 के स्ट्राइक रेट से 17 विकेट लिए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 23 रन देकर तीन विकेट रहा है।

इनके अलावा इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड व ग्रेम स्वान, न्यूजीलैंड के टिम साउदी, श्रीलंका के एंजेलो मैथ्यूज और बांग्लादेश के तस्किन अहमद भी टी20 विश्वकप में दो-दो मेडन ओवर फेंक चुके हैं। इनमें से मैथ्यूज, साउदी और तस्किन टी20 वर्ल्डकप 2024 में खेलते नजर आ सकते हैं और इनके पास अपने रिकॉर्ड को बेहतर करने का अवसर है।

आईपीएल प्ले ऑफ में जगह बनाने आरसीबी और सीएसके में होगी टक्कर

बेंगलुरु (ईएमएस)। आईपीएल में प्लेऑफ में बचे एक स्थान के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच शनिवार को टक्कर होगी। इस मैच में जीत के लिए दोनो ही टीमें पूरी ताकत लगा देंगी। इस मैच में जो भी टीम हारेगी। वह प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो जाएगी।

आरसीबी ने इस टूर्नामेंट में शुरुआती हार के बाद लगातार पांच मैच जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें बनायी हैं अब उसका लक्ष्य घरेलू मैदान पर बड़ी जीत दर्ज करना रहेगा। टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने अब तक इस सत्र में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। वह इस मैच में भी उसे जारी रखना चाहेंगे। पिछले कुछ मैचों से आरसीबी के बल्लेबाजों और गेंदबाजों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। इसके बाद भी सीएसके की दावेदारी कमजोर नहीं मानी जा सकती है। उसकी टीम में अनुभवी महेन्द्र सिह धोनी हैं जो जानते हैं कि किस प्रकार मैच जीते जाते हैं। आरसीबी अगर इस मैच में जीती तो चौथा स्थान ही हासिल कर सकती है जबकि सीएसके विजयी होती है तो अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रह सकती है।

हैदराबाद में सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस का मैच बारिश के कारण रद्द होने के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स के बाद सनराइजर्स प्लेआफ में पहुंचने वाली तीसरी टीम है। केकेआर और राजस्थान पहले ही प्लेऑफ में पहुंच गयी है। ऐसे में अब अंतिम स्थान के लिए सीएसके और आरसीबी में टक्कर है। अब तक सत्र में बेहतर रनरेट और अधिक अंक (13 अंक और 0.528 रनरेट) होने से चेन्नई का दावा मजबूत है। इस मैदान पर वह आठ मैचों में आरसीबी से एक ही बार हारी है, ऐसे में आंकड़े भी उसके पक्ष में हैं। वहीं आरसीबी के 12 अंक है और उसका नेट रनरेट 0.387 है।

एक समय प्लेऑफ से बाहर होती आरसीबी ने लगातार पांच मैच जीतकर प्लेऑफ की उम्मीदों को बनाये रखा है।

इस करो या मरो के मुकाबले में आरसीबी ओर से रन बनाने का दारोमदार विराट कोहली और कप्तान फाफ डु प्लेसिस के अलावा रजत पाटीदार व दिनेश कार्तिक पर रहेगा। वहीं गेंदबाजी की जिम्मेदारी

यश दयाल, मोहम्मद सिराज, स्वप्निल सिंह पर रहेगी। पिछले कुछ मैचो में आरसीबी के गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे वे सीएसके के खिलाफ जारी रखने का प्रयास करेंगे।

वहीं सीएसके की ओर से अबतब कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के अलावा, शिवम दुबे और रवींद्र जडेजा, तिलक वर्मा ने अच्छा प्रदर्शन किया है। गेंदबाजी की कमान मिशेल सेंटनर, शार्दुल ठाकुर, तुषार देशपांडे के पास रहेगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मैच रोमांचक होने की पूरी संभावना है।

अमेरिकी भारतवंशी सांसदों ने क्यों कहा.....पहले अमेरिका सुधरे

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका में भारतीय मूल के सांसदों का कहना है कि वे भारत के साथ मानवाधिकारों का मुद्दा उठाते रहने वाले हैं। हालांकि, भारत उन पर काम नहीं करेगा। अमेरिका में गुरुवार को देसी डिसाइड्स नाम की एक समिट हुई। समिट के दौरान सांसद आर ओ खन्ना ने कहा कि अमेरिका को मनवाधिकारों के मुद्दों पर भारत की लीडरशिप से बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत पर 100 साल तक विदेशी हुकूमत का राज था।

समिट में भारतवंशी सांसदों से पीएम मोदी और मुस्लिम समुदाय के साथ उनके संबंधों पर सवाल किया गया था। इस पर खन्ना ने कहा कि भारत लेक्चर सुनने की बजाय तब अपने लोकतंत्र की खामियों को सुधारेगा, जब अमेरिका भी अपनी गलतियों को स्वीकार करेगा। उन्होंने कहा कि भारत से बात करने का यही अच्छा तरीका है। इस पर दूसरे भारतवंशी सांसद बेरा ने खन्ना से सहमति जाहिर की। बेरा ने कहा कि मैंने भारतीय विदेश मंत्री से भी मानवाधिकारों के मुद्दों पर बात की थी। बेरा ने कहा कि हमारे यहां अभी भी जीवंत लोकतंत्र है। हमारे पास एक विपक्षी दल है। हम प्रेस की स्वतंत्रता में विश्वास रखते हैं। यह सभी चीजें हैं, जो मुझे भारत के लिए चिंतित करती हैं। बेरा ने कहा कि मैं उम्मीद करता हूं कि भारत का लोकतंत्र जीवित रहेगा।

आरसीबी के खिलाफ निर्णायक लीग मुकाबले में धोनी निभाएंगे अहम भूमिका : आरोन

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व तेज गेंदबाज वरुण आरोन ने कहा है कि आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच प्लेऑफ में महेन्द्र सिंह धोनी अहम भूमिका निभा सकते हैं। आरोन ने कहा कि धोनी अपने करिश्माई प्रदर्शन से एक बारी फिर सीएसके को जीत दिला सकते हैं। आरोन ने कहा कि गत चैंपियन टीम धोनी पर भरोसा कर सकती है, खासकर चिन्नास्वामी स्टेडियम में उनके प्रदर्शन की क्षमता के कारण। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह मैच धोनी का एक और शो होगा, क्योंकि सब कुछ इसी के लिए तैयार हो रहा है। मुझे लगता है कि यह ऐसा ही होगा, क्योंकि उन्हें चिन्नास्वामी स्टेडियम बहुत पसंद है। उन्होंने यहां कुछ बेहतरीन पारियां खेली हैं। उमेश यादव के खिलाफ उन्होंने यहीं आखिरी ओवर में जब टीम एक रन से पिछड़ गई थी, तब भी उन्होंने कुछ बेहतरीन पारियां खेली थीं। साथ ही कहा कि मैं कभी नहीं भूल सकता कि उन्होंने अंतिम ओवर में अकेले ही 20 से 21 रन बनाए थे, इसलिए चिन्नास्वामी स्टेडियम में धोनी खतरनाक साबित हो सकते हैं।

आरोन ने यह भी बताया कि धोनी की दर्द सहने की क्षमता बहुत ज्यादा है। साथ ही कहा, इसके अलावा वह उन लोगों में से एक है, जिनकी दर्द सहने की क्षमता बहुत ज्यादा है और वह अपनी चोट को भूलने के लिए हर संभव कोशिश करते हैं। आरसीबी के खिलाफ इस मैदान पर धोनी ने 9 मैच खेले हैं और 125.33 की औसत और 184.31 की स्ट्राइक रेट से 376 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने चार अर्धशतक भी लगाए हैं। इस सीजन में धोनी ने 10 पारियों में 161 रन बनाए हैं।

वहीं आरसीबी को इस मैच में सारी उम्मीदें विराट कोहली से रहेंगी। विराट ने ही अब तक उसे इस सत्र में जीत दिलायी है। आरसीबी इस सीजन में अपनी मजबूत शुरुआत को बरकरार रखने में विफल रही है जबकि दूसरी ओर सीएसके के पास किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर रहने की मजबूरी नहीं है। टीम की ओर से शिवम दुबे और कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने अहम पारियां खेली हैं। स 17मई 2024

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 253 अंक, निफ्टी 62 अंक ऊपर आया

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को भी लगातार दूसरे दिन बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी से आई है। आज कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों ने बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों के साथ बेंचमार्क इंडेक्स को पीछे छोड़ दिया। यह एक फीसदी से ज्यादा की बढ़त लेकर बंद हुए। इसी के साथ ही दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 253.31 अंक करीब 0.34 फीसदी बढ़कर 73,917.03 अंक पर बंद हुआ।

वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 62.25 अंक तकरीबन 0.28 फीसदी की हल्की बढ़त के साथ ही 22,466.10 अंक पर बंद हुआ।

बेंचमार्क इंडेक्स कल शनिवार 18 मई को स्पेशल ट्रेडिंग सेशन के लिए खुले रहेंगे। एनएसई किसी भी हादसे से निपटने की योजना के तहत ही टेस्टिंग करेगा। इस शनिवार को विशेष सत्र दो भागों में होगा। पहला विशेष सत्र सुबह 9:15 बजे शुरू होगा और 10 बजे तक चलेगा। वहीं दूसरा सत्र 11:45 बजे से शुरू होकर दोपहर 1 बजे तक जारी रहेगा। वहीं गत दिवस भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था।

वहीं इससे पहले आज सुबह

एशियाई सूचकांकों में कमजोरी की वजह से बाजार में गिरावट देखने को मिली। बाजार खुलते ही प्रमुख इंडेक्स लाल निशान में कारोबार करते दिखे। एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 58 अंक की गिरावट के साथ 73,613 पर खुला, जबकि निफ्टी 50 17 अंक की गिरावट के साथ 22,387 पर कारोबार करता दिखा। टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, एसबीआई, कोटक बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के बाद एमएंडएम ने सेंसेक्स पर 7 फीसदी की बढ़त हासिल की। वहीं एक्सिस बैंक, सन फार्मा, इंडसइंड बैंक, एशियन पेंट्स, इंफोसिस, रिलायंस, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक और एचयूएल के शेयरों में गिरावट दिखी।

सोने और चांदी के भाव में गिरावट

- सोना 72,900, चांदी लगभग 87,100 रुपए

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के सराफा बाजारों में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत शुक्रवार को सुस्त रही। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। चांदी के वायदा भाव गुरुवार को सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए थे। लेकिन इसमें गिरावट देखी जा रही है। सुबह शुरुआत में सोने के वायदा भाव 72,900 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 87,100 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में सुस्ती देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 73 रुपये की गिरावट के साथ 72,907 रुपये के भाव पर खुलने के बाद 99 रुपये की गिरावट के साथ 72,881 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी आज सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 190 रुपये की गिरावट के साथ 87,110 रुपये पर खुलने के बाद 200 रुपये की गिरावट के साथ 87,100 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,381.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,385.50 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 5.40 डॉलर की गिरावट के साथ 2,380.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.82 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.87 डॉलर था। इस समय यह 0.11 डॉलर की गिरावट के साथ 29.76 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

भारत ने इजराइल को भेजे हथियार, स्पेन ने जहाज को रुकने की नहीं दी अनुमति

-कहा- मध्य पूर्व को शांति की जरूरत है न कि विस्फोटक हथियारों की

तेल अवीव,(ईएमएस)। भारत ने गाजा युद्ध में फंसे इजराइल को हथियार भेजे हैं। भारत ने यह कदम तब उठाया है जब इजराइल को अमेरिका ने हजारों बम की सप्लाई को रोक लगा दी है। पिछले 8 महीने से हमास के साथ जंग में इजराइल के पास हथियार नहीं बचे हैं और इजराइल ने भारत से मदद मांगी थी। भारत ने इजराइल को हथियार भेजे भी हैं लेकिन अब इसे स्पेन ने अपने बंदरगाह पर रुकने की इजाजत नहीं दी है। बताया जा रहा है कि इस व्यापारिक जहाज पर 27 टन विस्फोटक है और इसे भारत से भेजा गया है। स्पेन ने कहा है कि मध्य पूर्व को शांति की जरूरत है न कि और ज्यादा विस्फोटक भेजकर क्षेत्र को अशांत बनाने की।

एक रिपोर्ट के मुताबिक स्पेन के विदेश मंत्रालय ने डेनमार्क के झंडे वाले इस जहाज को अपने बंदरगाह पर रुकने की इजाजत नहीं दी है। बताया जा रहा है कि इस जहाज पर भारत से भेजा गया 27 टन विस्फोटक लदा हुआ था। उसने कहा कि मध्यपूर्व को शांति की जरूरत है, न कि और ज्यादा हथियारों की। स्पेन के विदेश मंत्री जोसे मैनएल अल्बरेस ने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है। जब हमने पाया है कि एक जहाज हथियारों की खेप लेकर इजराइल जा रहा है और वह स्पेन के बंदरगाह पर रुकने की इजाजत चाह रहा है।

स्पेन ने रुकने की इजाजत देने से किया इंकार

यह जहाज भारत से इजराइल की यात्रा कर रहा है और इतनी लंबी यात्रा के दौरान उसे जरूरी सामान फिर से भरना है। स्पेन के विदेश मंत्री ने कहा कि हमने इस शिप की पहचान कर ली है और हमने उसे अपने यहां रुकने की अनुमति देने से इंकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह किसी भी ऐसे जहाज के लिए प्रति हमारी सतत नीति है जो इजरायल के लिए हथियार या उससे जुड़ा सामान लेकर जा रहा है और हमारे बंदरगाह पर रुकना चाहता है। इस पूरे मामले में स्पेनी विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि विदेश मंत्रालय सतत तरीके से इस तरह के पोर्ट कॉल को खारिज करेगा जिसकी एकमात्र वजह यह है कि मध्य पूर्व को और ज्यादा हथियारों की जरूरत नहीं है, उसे शांति की जरूरत है।

बता दें कि स्पेन ने इजरायल के गाजा में सैन्य अभियान की कड़ी आलोचना की है। वह फलस्तीनी देश को भी मान्यता देना चाहता है। स्पेन ने गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से ही इजरायल को हथियारों की आपूर्ति रोक दी थी। भारत इजरायल का सबसे बड़ा हथियारों का खरीदार है। गाजा युद्ध के बीच इजरायल भारत से कई तरह के हथियारों के लिए जरूरी सामान मंगा रहा है। इजरायल की कई सरकारी कंपनियां भारत में निवेश करती हैं। भारत में इजरायली कंपनियां विस्फोटक से लेकर किलर ड्रोन तक बना रही हैं। भारतीय कंपनियों ने हाल ही में विस्फोटक और ड्रोन की सप्लाई की है। भारतीय रक्षा सूत्रों का कहना है कि इजरायल को विस्फोटक देकर भारत ने किसी भी अंतरराष्ट्रीय नियम का उल्लंघन नहीं किया है।

जिनपिंग ने पुतिन को लगाया गले, चिढ़ गया अमेरिका....किसी एक को चुने ड्रैगन

बीजिंग (ईएमएस)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 2 दिन के दौरे पर चीन में हैं। बीजिंग में राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पुतिन का जोरदार स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेताओं ने साथ में चाय पी। पुतिन की यात्रा का पहला दिन खत्म होने पर जिनपिंग ने उन्हें गले भी लगाया। इस दोस्ती से अमेरिका नाराज हो गया है। अमेरिका ने कहा है कि चीन अगर पश्चिमी देशों के साथ बेहतर रिश्ते बनाने की कोशिश कर रहा है, तब वह यूक्रेन जंग में रूस का समर्थन नहीं कर सकता है। चीन को रूस या यूरोप में से एक को चुनना होगा। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के उप-प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा, यूक्रेन जंग के मामले में अमेरिका, जी7, नाटो और ईयू देशों का एक ही पक्ष है। रूस को हथियार देकर चीन न सिर्फ यूक्रेन की सुरक्षा खतरे में डाल रहा है, बल्कि इससे यूरोप पर भी असर पड़ेगा। वह यूरोप के सबसे बड़े खतरे को बढ़ावा दे रहा है। पटेल ने कहा, हमारे नजरिए से इस समस्या का हल बहुत ही आसान है। रूस यूक्रेन से पीछे हट जाए। वह रूसी कब्जे में मौजूद यूक्रेन के क्रीमिया और दूसरे इलाकों को आजाद कर दे। इससे शांतिपूर्ण तरह से मसला हल किया जा सकेगा, लेकिन रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने समय-समय पर यह बताया है कि वे शांति के लिए तैयार नहीं है।

दूसरी ओर चीन ने कहा है कि वह अपने मिलिट्री प्रोडक्ट्स के एक्सपोर्ट को पूरी जिम्मेदारी से संभालता है। अमेरिका को टारगेट कर चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमारे ऊपर आरोप लगाने से किसी समस्या का हल नहीं निकलेगा। जो लोग आग को हवा देते हैं, वे खुद उसकी चपेट में आ जाते हैं। रूस-यूक्रेन मसले का हल सिर्फ राजनीतिक समझौते के जरिए ही निकाला जा सकता है।

दरअसल शुक्रवार को शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद पुतिन ने कहा कि रूस और चीन भाई जैसे हैं। जिनपिंग ने सोवियत काल की धुन के साथ उनका स्वागत किया दोनों नेताओं ने कहा था कि रूस और चीन की दोस्ती दुनिया में चल रही वर्चस्व की लड़ाई के बीच स्थिरता लाने का काम करती है। अपने दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को पुतिन चीन के हार्बिन शहर पहुंचे। इसे चीन का लिटिल मॉस्को कहा जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि 1917-22 के दौरान जब रूस में गृह युद्ध चल रहा था, तब हजारों रूसी हार्बिन शहर रहने पहुंचे थे। तब मॉस्को से रूस के पश्चिम में मौजूद व्लादिवोस्तोक शहर को जोड़ने के लिए हार्बिन के रास्ते रेलवे लाइन बिछाई गई थी। शुक्रवार को यहां पहुंचे राष्ट्रपति पुतिन ने 1940 में जापान के साथ जंग के दौरान मारे गए सोवियत सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

असुरक्षित कर्ज पर एनबीएफसी के लिए ठीक नहीं ज्यादा निर्भरताः डिप्टी गवर्नर

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने कहा है कि असुरक्षित माने जाने वाले कर्ज और पूंजी बाजार वित्तपोषण पर अत्यधिक निर्भरता लंबे समय में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए समस्या उत्पन्न कर सकती हैं। स्वामीनाथन ने आरबीआई के हाल ही में आयोजित एक सम्मेलन में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के आश्वासन कार्यों प्रमुखों को संबोधित करते हुए उधार के बारे में निर्णय लेने के लिए एल्गोरिदम पर अत्यधिक निर्भरता को लेकर भी चेतावनी दी। उन्होंने नियमों की अनदेखी करने के लिए नियमों के बुद्धिमतापूर्ण विश्लेषण के रुख पर आरबीआई की निराशा को भी सार्वजनिक किया। उन्होंने इसे वित्तीय प्रणाली के लिए महत्वपूर्ण जोखिम बताया। स्वामीनाथन ने कहा कि कुछ उत्पादों या असुरक्षित ऋण जैसे क्षेत्रों के लिए जोखिम काफी ज्यादा हैं और यह लंबे समय तक टिकने वाला नहीं है। उन्होंने कहा ?कि ऐसा लगता है कि ज्यादातर एनबीएफसी में एक ही काम करने की इच्छा है। जैसे कि खुदरा असुरक्षित ऋण, टॉप अप ऋण अथवा पूंजी बाजार वित्तपोषण। ऐसे उत्पादों पर अत्यधिक निर्भरता बाद में समस्या उत्पन्न कर सकती है। स्वामनाथन ने एल्गोरिदम आधारित कर्ज देने के मुद्दे पर कहा कि कई संस्थाएं बही-खातों में तेजी से वृद्धि के लिए नियम-आधारित क्रेडिट का रुख कर रही हैं। हालांकि, स्वचालन दक्षता को बढ़ा सकता है, पर एनबीएफसी को ऐसे मॉडल से खुद को बांधना नहीं चाहिए। यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि नियम-आधारित कर्ज देने की व्यवस्था केवल उतने ही प्रभावी हैं जितने कि आंकड़े और मानदंड जिनपर वे बनाए गए हैं।

चौथी बार फ्लोर टेस्ट का सामना करेंगे नेपाल के पीएम

काठमांडू(ईएमएस)। नेपाल में इन दिनों सियासी भूचाल आया हुआ है। यहां पर सत्तासीन पार्टी को अब नेपाल की संसद में फ्लोर टेस्ट का सामना करना होगा। ये चौथी बार है कि नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड फ्लोर टेस्ट देंगे। आने वाले 20 मई को संसद में चल रहे व्यवधान और अराजकता के बीच अपना विश्वास मत हासिल करेंगे। बता दे कि ये नया विश्वास मत नेपाल की जनता समाजवादी पार्टी नेपाल के समर्थन वापस लेने और दहल के पदभार संभालने के 18 महीने के भीतर ही आया है।

प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल ने सदन अध्यक्ष देबराज आर्यल को पत्र लिखा है। जिसमें कहा गया है कि वो 20 मई को विश्वास मत हासिल करेंगे। विश्वास मत के लिए तैयारी पहले से ही चल रही है। विश्वास मत का फैसला ऐसे समय पर लिया गया है जब विपक्षी नेपाली कांग्रेस संसद परिसर के भीतर विरोध प्रदर्शन कर रही है।

23 अरब रुपए के सब्सिडी पैकेज की घोषणा के बाद पीओके में रुका प्रदर्शन

-शहबाज ने कहा-पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे पर अपना नैतिक और राजनयिक समर्थन जारी रखेगा

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में प्रदर्शन करने वाले लोगों ने पुलिसकर्मियों को पीट दिया और पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगाए। इसे झड़प में एक पुलिसकर्मी की भी मौत हो गई है। बिजली और आटा की कीमतों में राहत के लिए लोगों का यह प्रदर्शन था, इसके बाद पाकिस्तान सरकार सहमत हो गई, लेकिन इस प्रदर्शन से पाकिस्तानी सरकार हिल गई है। फिर ऐसी स्थिति न हो, इसके लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पीओके पहुंचे। उन्होंने पीओके में लोगों के सामने आने वाले मुद्दों के लिए स्थायी समाधान मांगा।

जम्मू कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी की ओर से महंगाई, उच्च करों और बिजली बिलों के खिलाफ अपना विरोध प्रदर्शन करने के बाद शहबाज का यह बयान आया है। पाकिस्तानी सरकार की ओर से 23 अरब रुपए के सब्सिडी पैकेज की घोषणा के बाद यह प्रदर्शन रुक गया। पीओके में कैबिनेट बैठक को संबोधित करते हुए शहबाज ने कहा कि उनकी सरकार कश्मीरी लोगों के सामने आने वाले मुद्दों का स्थायी समाधान तलाशेगी।

उन्होंने पीओके के लोगों के लिए जल शुल्क, नीलम झेलम और अन्य मुद्दों पर चर्चा के लिए एक कमेटी के गठन का निर्देश दिया। पाकिस्तान को यह उम्मीद नहीं थी कि पीओके जिसे वह आजाद जम्मू कश्मीर कहता है, वहां उसके खिलाफ प्रदर्शन होगा। शहबाज ने कहा कि लोगों ने अपनी वास्तविक मांगों के लिए आवाज उठाई, लेकिन इसके बीच कुछ उपद्रवियों ने दंगे फैलाने और हत्या की कोशिश की।

शहबाज ने कहा कि वह कश्मीर मुद्दे पर अपना नैतिक और राजनयिक समर्थन देना जारी रखेगा। उन्होंने तिहाड़ में बंद कश्मीरियों को लेकर भी बात की। भाजपा ने कश्मीर की तीन सीटों श्रीनगर, बारामूला और अनंतनाग पर अपने प्रत्याशी नहीं उतारे हैं। इसे लेकर शहबाज ने कहा कि भारत की सत्तारूढ़ पार्टी अपने वास्तविक नाम से चुनाव नहीं लड़ सकती है, जो क्षेत्र में जनता के गुस्से के डर को दिखाता है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच विवाद का कारण बनी डूरंड लाइन

यह रेखा पाकिस्तान बनने से 53 साल पहले 1893 में अंग्रेजों ने खींची थी

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। अफगानिस्तान-पाकिस्तान के विवाद का सबसे बड़ा कारण डूरंड लाइन है, जिसे अंग्रेजों ने बनाया और ये पाकिस्तान के लिए मुसीबत बनी हुई है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान तालिबान की सेना के बीच पिछले तीन दिनों से संघर्ष जारी है। डूरंड लाइन पर दोनों एक दूसरे पर निशाना लगा रहे हैं। मीडिया के मुताबिक पक्तिया में पाकिस्तान की ओर से दर्जनों मिसाइलें दागी गईं, जो लोगों के घरों पर गिरी। एक समय था जब पाकिस्तान तालिबान की मदद करता था। लेकिन जब से तालिबान अफगानिस्तान की सत्ता में आया है, तब से पाकिस्तान के साथ संघर्ष बढ़ गए हैं। टीटीपी आतंकियों के हमले भी बढ़ गए हैं।

अफगानिस्तान में तालिबान प्रशासन के उप मंत्री शेर मोहम्मद अब्बास स्टानिकजई ने फरवरी में एक बयान में कहा था कि डूरंड लाइन जब बनी तब पाकिस्तान का अस्तित्व भी नहीं था। उन्होंने कहा, डूरंड लाइन एक काल्पनिक रेखा है। अंग्रेजों ने उस समय अब्दुल रहमान खान के साथ समझौते के अनुसार इसे खींचा था। पाकिस्तान का इससे कोई लेना देना नहीं है। शेर मोहम्मद का बयान सही है। यह रेखा पाकिस्तान के अस्तित्व से 53 साल पहले 12 नवंबर 1893 में खींची गई थी।

डूरंड लाइन अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच 2,640 किमी लंबी सीमा है। ब्रिटिश इंडिया के सचिव सर मोर्टिमर डूरंड और अफगानिस्तान के अमीर अब्दुर रहमान खान के बीच समझौते के बाद इसे खींचा गया था। डूरंड रेखा रूस और ब्रिटिश साम्राज्यों के बीच 19वीं शताब्दी के ग्रेट गेम्स की एक विरासत के रूप में देखा जाता है। तब ब्रिटेन और रूस मध्य एशिया में प्रभाव बढ़ाने की जियोपॉलिटिकल लड़ाई लड़ रहे थे। अंग्रेजों ने इसे रूसी विस्तारवाद को रोकने के लिए एक बफर जोन के तौर पर इस्तेमाल किया था।

दूसरे अफगान युद्ध के खत्म होने के बाद अंग्रेजों ने कई क्षेत्रों पर नियंत्रण कर लिया था, जो अफगानिस्तान का हिस्सा थे। डूरंड लाइन के समझौते ने ब्रिटिश इंडिया और अफगान सीमा पर प्रभाव का सीमांकन किया। डूरंड लाइन चीन से लेकर ईरान तक जाती है। यह रेखा पश्तूनों के आदिवासी इलाकों से होकर गुजरती है। पश्तून अफगानिस्तान और पाकिस्तान दोनों देशों में ही रहते हैं। 1947 में जब पाकिस्तान बना तो उसे डूरंड लाइन और इसका विवाद विरासत में मिला, क्योंकि पश्तूनों ने इसे मानने से इनकार कर दिया। वहीं अफगानिस्तान भी इसे अंतरराष्ट्रीय सीमा नहीं मानता है।

संयुक्त राष्ट्र का विश्व अर्थव्यवस्था 2024 में 2.7 फीसदी वृद्धि का अनुमान

संयुक्त राष्ट्र (ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र ने विश्व अर्थव्यवस्था के 2024 में 2.7 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान लगाया है। यह अमेरिका और ब्राजील, भारत तथा रूस सहित कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं में बेहतर प्रदर्शन की ओर भी संकेत करता है। संरा के वैश्विक आर्थिक स्थिति एवं संभावनाएं 2024 के मध्य-वर्ष के ताजा अनुमानों के अनुसार, विश्व अर्थव्यवस्था इस वर्ष 2.7 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। जनवरी की रिपोर्ट में उसने इसके 2.4 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान लगाया था। रिपोर्ट में कहा गया, 2025 में 2.8 प्रतिशत तक की वृद्धि की उम्मीद है। 2024 की 2.7 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान 2023 में वृद्धि के बराबर है, हालांकि 2020 में कोविड-19 वैश्विक महामारी शुरू होने से पहले की तीन प्रतिशत की वृद्धि दर से कम है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक विश्लेषण व नीति प्रभाग के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने रिपोर्ट पेश करते हुए संवाददाता सम्मेलन में कहा ?कि हमारा अनुमान महत्वपूर्ण चेतावनियों के साथ आशावाद से भरा है। रिपोर्ट में लंबी अवधि तक ऊंची ब्याज दरों, कर्ज चुकाने की चुनौतियों, जारी भू-राजनीतिक तनाव तथा खासकर दुनिया के सबसे गरीब देशों व छोटे द्वीप देशों के लिए जलवायु जोखिमों की ओर इशारा किया गया है। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति जो 2023 के अपने चरम से नीचे है वैश्विक अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित कमजोरी का एक कारक है। संयुक्त राष्ट्र के ताजा अनुमान के अनुसार, 2024 में अमेरिका में 2.3 प्रतिशत की वृद्धि होगी, जो वर्ष की शुरुआत में 1.4 प्रतिशत के अनुमान से अधिक है। चीन के लिए जनवरी में 4.7 प्रतिशत के मुकाबले 4.8 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। मध्य वर्ष के ताजा आंकड़ों में भारत के लिए 6.9 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान इस साल जनवरी में संयुक्त राष्ट्र द्वारा लगाए गए 6.2 प्रतिशत की वृद्धि दर के अनुमान से अधिक है।

एथेनॉल में गन्ने की खपत बढ़ने से गुड़ में तेजी के आसार

नई दिल्ली (ईएमएस)। एथेनॉल में गन्ने की खपत बढ़ने तथा उत्पादन कम होने से गुड़ में फिलहाल मंदी के आसार समाप्त हो गए हैं। बारिश की कमी के चलते चालू पेराई सत्र में गन्ने का उत्पादन पूर्व वर्ष के मुकाबले करीब 20 फीसदी कम होने का अनुमान है। इसे देखते हुए गुड़ में और तेजी के आसार बन सकते हैं। जानकारों का कहना है कि एथेनॉल में बढ़ती खपत को देखते हुए ऐसा आभास हो रहा है कि आगे चलकर वर्तमान भाव के गुड़ में भरपूर लाभ मिलेगा। गुड़ बनने का सीजन लगभग समाप्त हो चुका है। ध्यान रहे पिछले साल गन्ने के उत्पादन में 4 प्रतिशत की कमी आई थी। परिणामस्वरूप कोल्ड स्टोरों में गुड़ का पुराना स्टॉक कम बचा था। वहीं इसकी खपत एथेनॉल में बढ़ी है। फलस्वरूप पाइप लाइन में नए एवं पुराने माल की उपलब्धि कम है। बता दें इस साल गुड़ का अधिक स्टॉक नहीं हुआ है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश की मुजफ्फरनगर मंडी में प्रतिदिन करीब 3 हजार कट्टे गुड़ आ रहा है, जो कि ?पिछले वर्ष के मुकाबले कम है। इस बीच पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बागपत, बड़ौद, शामली, सहारनपुर, सरसावा के साथ-साथ हापुड़, मेरठ, परतापुर तथा मोहिउद्दीनपुर सहित पूर्वी उत्तर प्रदेश की मंडियों में भी गुड़ की आवक का दबाव समाप्त हो चुका है। उधर मध्य प्रदेश में कम मिठास वाले गुड़ की आपूर्ति भी इस बार कम हो रही है। आंध्र प्रदेश, कर्नाटक एवं महाराष्ट्र की मंडियों में भी नए गन्ने का आवक दबाव पिछले साल की तुलना में कम है। इन सभी कारणों को देखते हुए पिछले साल 78 लाख टन गुड़ उत्पादन के मुकाबले इस बार करीब 65 लाख टन से अधिक की संभावना नहीं है।

तानाशाह की बहन की दो टूक...नॉर्थ कोरिया ने रुस को नहीं दिए हाथियार

कोरिया (ईएमएस)। नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने रूस को हथियार देने के अमेरिका और साउथ कोरिया के दावों को गलत बताया है। किम यो जोंग ने कहा कि रूस को हथियार देने की बातें मनगढ़ंत और बेतुकी हैं। उन्होंने कहा कि नॉर्थ कोरिया ने देश की सुरक्षा के लिए हथियार बनाए हैं, किसी दूसरे देश को बेचने के लिए नहीं।

किम की बहन का ये बयान उस वक्त आया है जब अमेरिका ने रूस की 3 कंपनियों पर प्रतिबंध लगाएं है। इन पर नॉर्थ कोरिया और रूस के बीच हथियारों की डील कराने के आरोप थे। दरअसल, नॉर्थ कोरिया के हथियार खरीदने और बेचने पर (संयुक्त राष्ट्र संघ) यूएन ने पाबंदियां लगा रखी हैं। अमेरिका और पश्चिमी देश लगातार रूस पर नॉर्थ कोरिया से मिलिट्री टेक्नोलॉजी और आर्थिक सहायता के बदले में यूक्रेन युद्ध के लिए तोपखाने, मिसाइल और दूसरे हथियार खरीदने के आरोप लगाते रहे हैं।

साउथ कोरिया ने दावा किया था कि नॉर्थ कोरिया ने जुलाई 2023 से मार्च 2024 तक रूस को हथियारों से भरे 7 हजार कंटेनर भेजे। इसके बदले नॉर्थ कोरिया में रूस के 9 हजार कंटेनर आए थे। इसमें खाने की कमी झेल रहे नॉर्थ कोरिया के लिए मदद का सामान होने का दावा किया गया। वहीं, अमेरिकी जानकारों का दावा है कि नॉर्थ कोरिया को हथियार भेजने के बदले सैटेलाइट टेक्नोलॉजी मिली है। नॉर्थ कोरिया ने कहा था कि वे अपनी सेना के लिए 240 मिलीमीटर के रॉकेट लॉन्चर बनाएगा, जो सेना की जंग लड़ने की क्षमता को बढ़ाएंगे।

नेपाल सरकार ने 100 रुपए के नोट पर छापा नक्शा, भारत ने जताई आपत्ति

-जयशंकर बोले-ऐसे फैसले जमीनी हकीकत में कोई बदलाव नहीं ला सकते

काठमांडू,(ईएमएस)। नेपाल सरकार ने हाल ही में 100 रुपए के नोट जारी किया है जिसको लेकर विवाद छिड़ गया है। इस नोट पर नेपाल ने अपना जो नक्शा छापा है, उसमें कई ऐसे क्षेत्र भी शामिल किए हैं, जिनको भारत अपना कहता है। नेपाली प्रधान मंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड की सरकार ने 3 मई को नेपाल में100 रुपए के नए नोट पर विवादास्पद नक्शे के इस्तेमाल का फैसला लिया। नेपाल सरकार ने कहा कि कैबिनेट ने 25 अप्रैल और 2 मई को बातचीत के बाद नोट के नए डिजाइन को मंजूरी दे दी है और पुराने नोटों के स्थान पर नए नोट जारी किए गए हैं। नेपाल ने चार साल पहले, 2020 में इस नक्शे को जारी किया था और ये विवाद की वजह बना गया था। एक बार फिर ऐसे समय पर नेपाल ने ये विवाद खड़ा किया है, जब भारत में लोकसभा चुनाव चल रहे हैं।

इस फैसले के बाद नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल के आर्थिक सलाहकार चिरंजीवी ने इस कदम की आलोचना करते हुए इस्तीफा दे दिया। भारत की ओर से भी इस प्रतिक्रिया दी गई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने नेपाल के इस फैसले को एकतरफा बताते हुए कहा कि इस मामले पर भारत की स्थिति साफ है और ऐसे फैसले जमीनी हकीकत में कोई बदलाव नहीं ला सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल के विवादास्पद नक्शे को नेपाल के पूर्व पीएम केपीएस ओली की सरकार के समय अपनाया गया था। इस फैसले से भारत और नेपाल के संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

नेपाल और भारत 1850 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं। भारत के सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों से नेपाल की सीमा लगी हुई है। दोनों देशों के बीच सीमा को लेकर कुछ जगहों पर विवाद चल रहा है। हालिया विवाद की शुरुआत 2020 में तब हुई जब भारत विरोधी अभियान चलाकर सत्ता में आए नेपाल के पूर्व पीएम ओली ने देश का नक्शा बदल दिया। भारत को झटका देते हुए जून 2020 में नेपाल ने भारत के साथ विवादित क्षेत्रों पर अपना दावा किया। नेपाल ने लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी के अपनी सीमा में होने का दावा किया, जिसे भारत अपना कहता है। नेपाल की ओर ये तब किया गया, जब भारत-चीन सीमा पर लिपुलेख दर्रे को कैलाश-मानसरोवर मार्ग से जोड़ने वाली नई सड़क खोलने का फैसला भारत ने लिया था।

इससे पहले दिसंबर 2019 में भी भारत की ओर से भी एक नक्शा जारी किया गया था, इसमें कालापानी को उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के हिस्सा दिखाया गया था। नेपाल की ओर से उस पर आपत्ति की गई थी, जिस पर भारत ने मतभेदों को सुलझाने के लिए एक विदेश सचिव स्तर की वार्ता तंत्र का गठन करने की बात कही थी। इसके बाद कोविड महामारी के चलते बातचीत शुरू नहीं हो सकी थी और फिर नेपाल ने विवादित नक्शा जारी कर दिया है।

मुंबई स्थित जर्मन महावाणिज्य दूत ने गुजरात के मुख्यमंत्री से की शिष्टाचार मुलाकात

- नवीकरणीय ऊर्जा, ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग, पर्यटन और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग की तत्परता दिखाई

गांधीनगर (ईएमएस) मुंबई में जर्मनी के महावाणिज्य दूत अचिम फैबिग ने इस शुक्रवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार मुलाकात की। मुख्यमंत्री के साथ इस मुलाकात के दौरान उन्होंने वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट-2024 में पार्टनर कंट्री के रूप में जर्मनी की सहभागिता का उल्लेख करते हुए समिट की सफलता के लिए बधाई दी। इतना ही नहीं, उन्होंने इस समिट में 'सस्टेनेबल ग्लोबल सप्लाई चेन-इंडो जर्मन' के परिप्रेक्ष्य में आयोजित किए गए कंट्री सेमिनार की याद भी ताजा की।

जर्मन महावाणिज्य दूत के साथ बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात में उद्योग स्थापित करने को इच्छुक जर्मन उद्योगपतियों को राज्य सरकार की ओर से सहयोग देने की मंशा व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात में जर्मनी की कई प्रतिष्ठित कंपनियां कार्यरत हैं। इसके अलावा, गांधीनगर स्थित गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) में डॉयचे बैंक भी शुरू हो गया है, जिन्हें गुजरात में कामकाज के लिए एक अनुकूल वातावरण मिला है। मुख्यमंत्री ने जर्मन महावाणिज्य दूत के साथ गिफ्ट सिटी में जर्मनी के उच्च शिक्षा संस्थान शुरू करने की दिशा में भी चर्चा की। उन्होंने गुजरात में तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा तथा ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट्स में विश्व स्तरीय प्रशिक्षण की गुणवत्ता के लिए राज्य सरकार के श्रम एवं रोजगार विभाग और जर्मनी की कंपनी के बीच हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के बारे में भी बातचीत की और कहा कि इसके परिणामस्वरूप कुशल कार्यबल की उपलब्धता का लाभ मिल रहा है।

जर्मन महावाणिज्य दूत अचिम फैबिग ने गुजरात के साथ नवीकरणीय ऊर्जा, इंजीनियरिंग, ऑटोमोबाइल, पर्यटन और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग को लेकर उत्सुकता दिखाई। इस संदर्भ में उन्होंने यह भी कहा कि जी20 समिट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), स्वास्थ्य एवं फार्मा क्षेत्र में परिणामदायी विचार-विमर्श के बाद, अब वे नवीकरणीय ऊर्जा सहित अन्य उभरते क्षेत्रों में आगे बढ़ने के इच्छुक हैं।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात और जर्मनी के अग्रणी राज्यों के बीच 'सिस्टर स्टेट एग्रीमेंट' की संभावनाएं तलाशने और उस दिशा में परामर्श के लिए जर्मनी के एक प्रतिनिधिमंडल को गुजरात का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने जर्मन महावाणिज्य दूत को स्मृति चिह्न के रूप में कच्छी हस्तकला कारीगरी की एक कृति भेंट की।

असामाजिक तत्व से परेशान होकर किशोरी ने आत्महत्या कर ली

बोटाद (ईएमएस) बोटाद से असामाजिक तत्वों से परेशान होकर किशोरी के आत्महत्या की चौंकानेवाली खबर सामने आई हैं किशोरी के पिता ने उसके घर के आसपास चक्कर लगाने वाले युवक फटकार लगाई थी इस पर युवक ने किशोरी के पिता को जान से मारने की धमकी दी थी युवक की धमकी किशोरी डर गई और उसने जहरीली दवाई पी ली जानकारी के मुताबिक बोटाद शहर में रहनेवाले असामाजिक तत्वों खासकर विपुल घुघा जीलिया नामक शख्स एक परिवार के घर के आसपास चक्कर काटता रहता था परिवार में नाबालिग बेटी थी, जिसे विपुल जीलिया घूरता रहता था किशोरी के पिता ने विपुल को घर के आसपास चक्कर काटने को लेकर फटकार लगाई इस पर विपुल जीलिया ने किशोरी के पिता को जान से मार देने की धमकी दी पिता को जान से मारने की धमकी से किशोरी इतना डर गई कि उसने जहरीली दवाई पी ली जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई बोटाद पुलिस ने चार शख्सों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की हैं

मानसिक रूप से बीमार युवती से दुष्कर्म के मामले में एक गिरफ्तार, दूसरे की तलाश जारी

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर के मेघाणीनगर से मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई हैं किराने की दुकान में सामान खरीदने आई मानसिक रूप से बीमार एक युवती का अपहरण करने के बाद उसके साथ दुष्कर्म किया गया पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दूसरे तलाश जारी हैं जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के मेघाणीनगर में रहनेवाली मानसिक रूप से अस्वस्थ युवती निकट स्थित किराने की दुकान में सामान खरीदने गई थी जहां खड़े दो युवकों ने बहला-फुसलाकर उसे अपनी एक्टिवा पर बिठा लिया और आईजी कंपाउंड में सूनसान जगह पर ले गए युवती ने जब अपने घर जाने को कहा तब दोनों युवकों ने उसके साथ मारपीट कर खामोश कर दिया बाद में एक युवक एक्टिवा लेकर वहां से रवाना हो गया, जबकि दूसरे युवक ने युवती के साथ दुष्कर्म किया परिवार को जब घटना के बारे में पता चला तो दो युवकों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी गई पुलिस की जांच में खुलासा हुआ कि दुष्कर्म का मुख्य आरोपी राजेश उर्फ पिन्टू पटनी हैं युवती जब किराने की दुकान पर सामान खरीदने आई तब राजेश अपने दोस्त के साथ वहां खड़ा था दोस्त की मदद से राजेश युवती को सूनसान जगह पर ले गया और उसके साथ बलात्कार किया पुलिस ने इस मामले में राजेश उर्फ पिन्टू को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसके दोस्त की सरगर्मी से तलाश कर रही हैं

हिंदू नेताओं को धमकाने वाले मौलवी और अन्य लोग पाकिस्तान से लेते थे पैसा

सूरत (ईएमएस)। सूरत पुलिस ने हिंदू सनातन संघ के अध्यक्ष उपदेश राणा की हत्या की साजिश रचने और भाजपा के तेलंगाना से विधायक टी. राजा सिंह और भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा सहित कई अन्य हिंदूवादी नेताओं को धमकी देने के आरोप में 4 मई को सूरत जिले के कथोर गांव से मौलवी सोहेल अबु बकर तिमोल को गिरफ्तार किया था। गुजरात पुलिस ने दावा किया कि हिंदू नेताओं को धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किए गए मौलवी सहित तीनों लोग पाकिस्तानी हैंडलर के संपर्क में थे। वह हवाला चैनल्स के माध्यम से पाकिस्तान से धन भी प्राप्त करते थे। गुजरात पुलिस ने इन तीनों को इस महीने की शुरुआत में अलग-अलग जगहों से गिरफ्तार किया था।

सूरत के पुलिस कमिश्नर अनुपम सिंह गहलोत ने गुरुवार को बताया कि हाल ही में उत्तर प्रदेश आतंकवाद रोधी दस्ते ने जिया उल हक नाम के एक संदिग्ध आतंकवादी को गिरफ्तार किया था, जो उसी मॉड्यूल का हिस्सा था और उसे पाकिस्तान में बैठे उसके आका से आदेश मिला था सूरत पुलिस ने हिंदू सनातन संघ के अध्यक्ष उपदेश राणा की हत्या की साजिश रचने और भाजपा के तेलंगाना से विधायक टी. राजा सिंह और भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा सहित कई अन्य हिंदूवादी नेताओं को धमकी देने के आरोप में 4 मई को सूरत जिले के कथोर गांव से मौलवी सोहेल अबु बकर तिमोल को गिरफ्तार किया था। अधिकारी ने बताया कि उससे पूछताछ करने के बाद बिहार से मोहम्मद अली और महाराष्ट्र के नांदेड़ के रहने वाले शकील रजा को गिरफ्तार किया गया। मोहम्मद अली और शकील रजा ने कथित तौर पर उपदेश राणा, नूपुर शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश राजपूत, ब्लॉगर शबनम शेख, शिव सेना हिंद प्रमुख निशांत शर्मा, पंजाब के एक शिव सेना नेता अमित अरोड़ा और बजरंग दल नेता कुलदीप सोनी को धमकी दी थी। डर पैदा करने के लिए आरोपी अपने टारगेटों को एके-47 राइफल पकड़े हुए एक व्यक्ति की तस्वीर भेजते थे। गहलोत ने कहा, समूह की फंडिंग की विस्तृत जांच चल रही है। अधिकारी ने कहा कि यूपी एटीएस द्वारा पकड़ा गया संदिग्ध आतंकी जिया उल हक भी उसी नेटवर्क का हिस्सा था और वह उसी डोगर से ऑर्डर लेता था।

कमिश्नर अनुपम सिंह गहलोत ने बताया कि हमने पाया कि मौलवी सोहेल के पास दो मतदाता पहचान पत्र थे। उसके पास दो जन्म प्रमाण पत्र भी थे। मोहम्मद अली बिहार का मूल निवासी है, लेकिन नेपाल के लाहान शहर में काम करता है। उसके पास आधार कार्ड के अलावा एक प्रमाण पत्र भी था, जो उसे नेपाली नागरिक घोषित करता था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मोहम्मद अली पाकिस्तान में बैठे अपने आका डोगर के भी संपर्क में था और उसने 17 वर्चुअल नंबरों और 42 ईमेल आईडी का उपयोग कर हिंदूवादी नेताओं को धमकियां दी थीं। शकील रजा ने हिंदू नेताओं को जान से मारने की धमकी देने के लिए डोगर द्वारा उपलब्ध कराए गए एक पाकिस्तानी वर्चुअल नंबर का इस्तेमाल किया था। कुछ अन्य पाक हैंडलर भी नेटवर्क का हिस्सा थे।

प्राइम फ्रेश लिमिटेड, बीएसई एसएमई पर सूचीबद्ध, मूल रूप से भारत के 17 राज्यों में फल और सब्जियों की आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन

प्राइम फ्रेश लिमिटेड, बीएसई एसएमई पर सूचीबद्ध, मूल रूप से भारत के 17 राज्यों में फल और सब्जियों की आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, 3पीएल समाधान और संबंधित गतिविधियों जैसे विभिन्न प्रकार के संचालन संचालित करता है।

प्राइम फ्रेश लिमिटेड 17 साल पुरानी कंपनी है और इसका मुख्यालय अहमदाबाद में है।

कुछ व्यावसायिक संचालन एवं गतिविधियां इस प्रकार हैं: फार्म टू फोर्क आपूर्ति श्रृंखला गतिविधियां और मूल्यवर्धन। देश भर में 15 राज्यों में 85 एपीएमसी बाजारों में फार्म।

निर्यातकों के माध्यम से निर्यात के लिए फार्म से पैकहाउस (निर्यात पैकिंग)। कंपनी निकट भविष्य में अपने स्वयं के निर्यात पर भी विचार कर रही है। फार्म टू डीसी ऑफ मॉडर्न ट्रेड्स,

ईकॉमर्स और पीएफएल के अपने वितरण केंद्र मूल्य संवर्धन और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ बनाने के लिए फार्म से लेकर खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों तक।

आपूर्ति: एपीएमसी के पास सीधे या पैकिंग केंद्र होंगे और ईकॉमर्स, आधुनिक व्यापार/संगठित खुदरा विक्रेताओं या अन्य छोटे एसएमई/बी2सी व्यवसायों जैसे ग्राहकों के तीसरे पक्ष के डीसी या एफसी के पास सीसी होंगी विभिन्न शहरों में होरेका खरीदारों और जीटी (सामान्य व्यापार) खरीदारों के लिए फार्मपिछले कुछ महीनों में प्राइम फ्रेश लिमिटेड ने कई महत्वपूर्ण विकास हुए हैं और कंपनी ने अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास नरोदा में प्रमुख सुविधा हासिल की है जो एपीडा द्वारा अनुमोदित है। प्राइम फ्रेश लिमिटेड आने वाले कुछ दिनों में वित्त वर्ष 2024 के लिए वार्षिक परिणाम भी जारी करेगा।

मैं इस कंपनी का अध्ययन करने का सुझाव और अनुशंसा करता हूं

प्राइम फ्रेश लिमिटेड : मुख्य विशेषताएं, कोर नेटवर्क, क्षमताएं, क्षमता, निष्पादन इंजन और उपलब्धियां।

(विकास प्रवर्तक या उत्प्रेरक)

5 राज्यों में 110000+ किसान नेटवर्क, 17 राज्यों में 85 एपीएमसी भागीदार। 5 राज्यों में 2400 आपूर्तिकर्ता और स्थानीय क्षेत्र एग्रीगेटर।

श्रमिक परिवार की झुग्गी में लगी आग, दो बच्चों की जलकर मौत

दाहोद (ईएमएस) जिले के झलाई गांव में श्रमिक परिवार की झुग्गी में लगी आग में दो बच्चों की जलकर मौत हो गई यह घटना उस समय हुई जब दोनों बच्चे घर में सो रहे थे झुग्गी बनाने में लकड़ी का ज्यादा उपयोग किया गया था, जिसकी वजह से कुछ पल में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और कुछ ही देर में सब स्वाहा कर दिया जानकारी के मुताबिक दाहोद जिले की फतेपुरा तहसील के झलाई गांव निवासी अनिल पारगी अपने पिता के साथ अन्य शहर में मजदूरी करता हैं पांच महीने पहले उसकी पत्नी तलाक लेने के बाद अपने मायके में रहती हैं अनील पारगी की दो संतानों में 4 साल की बेटी और 9 महीने का एक बेटा है, जो अपनी दादी यानी अनिल पारगी के साथ गांव में एक झुग्गी मे रहते थे अनिल पारगी माता दोनों बच्चों को सुलाकर पानी भरने गई थी उस वक्त अचानक किन्हीं कारणों से झुग्गी में आग लग गई झुग्गी में लगी आग देख बच्चों की दादी समेत आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और पानी छिड़क आग पर काबू पाने का प्रयास किया लेकिन लकड़ी की झुग्गी होने के कारण कुछ ही पल में आग ने विकराल स्वरूप धारण कर लिया सूचना पाते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई हालांकि तब तक काफी देर हो चुकी थी झुग्गी में सो रहे बच्चों की जलकर मौत हो चुकी थी झुग्गी में रखा घरेलू सामान भी आग में स्वाहा हो गया झुग्गी में आग किस कारण लगी, इसका फिलहाल पता नहीं चला

एक व्यक्ति की तलाश में नर्मदा नदी में पानी छोड़ा रोका गया, चार दिन से लगातार जारी है तलाश

नर्मदा (ईएमएस) गत मंगलवार को नर्मदा जिले के पोइचा स्थित नर्मदा नदी में 7 लोग डूब गए थे, जिसमें से 6 लोगों के शव अब तक बरामद किए जा चुके हैं जबकि एक व्यक्ति की पिछले 4 दिनों से तलाश जारी हैं अब नर्मदा नदी में पानी छोड़ना रोक दिया गया है, ताकि व्यक्ति का जल्द से जल्द पता लगाया जा सके बताया गया कि गत मंगलवार को सूरत का एक परिवार नर्मदा जिले के पोइचा गया था जहां नर्मदा नदी में नहाने गए 9 लोग डूबने लगें दो लोगों को स्थानीय तैराकों ने बचा लिया था, जबकि अन्य 7 लोग पानी में डूब गए थे नदी में डूबे 7 में से 6 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं जबकि एक व्यक्ति अब भी लापता हैं इस करुणांतिका को ध्यान में रखते हुए जिला कलेक्टर श्वेता तेवतिया के निर्देशन में जिला प्रशासन और नर्मदा नियंत्रण प्राधिकरण के परामर्श से नर्मदा नदी में छोड़े गए पानी को रोक दिया गया है और बचाव अभियान तेज कर दिया गया है। बचाव अभियान में एनडीआरएफ की दो टीमों की मदद ली जा रही हैं

18 जून को पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर पेंशन अदालत का आयोजन

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार सेवा निवृत्त कर्मचारियों के पेंशन संबन्धित प्रश्नों के त्वरित निपटारे के लिए 18 जून, 2024 को पेंशन अदालत का आयोजन किया जा रहा है। अहमदाबाद मण्डल से जो भी कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए है उन पेंशनर/फेमिली पेंशनर के पेंशन संबंधित शिकायतों के निवारण हेतु मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय अहमदाबाद में दिनांक 18 जून 2024 (मंगलवार) को पेंशन अदालत का आयोजन किया जा रहा है। अहमदाबाद मंडल से जो भी कर्मचारी रेल सेवा से सेवानिवृत्त हुए हैं वह पेंशनर/फैमिली पेंशनर अपनी पेंशन संबंधित शिकायतें है वह अपना आवेदन (तीन प्रतियों में) 31 मई 2024 तक मंडल रेल प्रबंधक (स्थापना) कार्यालय, पश्चिम रेलवे अहमदाबाद मण्डल, उण्ए हॉस्पिटल के सामने अमदुपुरा अहमदाबाद को भेज सकते है। आवेदन में अपना नाम, पदनाम, अंतिम वेतन, भर्ती तिथि, सेवानिवृत्ति की तिथि इत्यादि पूर्ण एवं शिकायत का प्रकार अवश्य दर्ज करें। यदि कोई पेंशनर ईमेल द्वारा आवेदन करना चाहे तो वह दी गई ईमेल ID- pensionadalat2020adi@gmail.com पर भी आवेदन कर सकते हैं।

ऑफिस स्पेस सॉल्यूशंस लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम 22 मई, 2024 को खुलेगा

अहमदाबाद, 17 मई, 2024: सीबीआरई रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सबसे बड़ी फ्लेक्सिबल वर्कस्पेस सॉल्यूशंस कंपनी, ऑफिस स्पेस सॉल्यूशंस लिमिटेड (ठकंपनीठ), 22 मई 2024 को इक्विटी शेयरों का अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (ऑफर) खोलने का प्रस्ताव करती है। एंकर निवेशक बोली की तारीख बोली/ऑफर खुलने की तारीख से एक कार्य दिवस पहले है, यानी 21 मई, 2024 को। बोली/ऑफर बंद होने की तारीख 27 मई, 2024 को होगी।

प्राइस बैंड रू.364 प्रति इक्विटी शेयर से रू.383 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 39 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 39 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियां लगाई जा सकती हैं।

ऑफर में रू. 1,280.00 मिलियन तक के कुल मिलाकर इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू (''ताजा इश्यू'') और ड. मिलियन तक के कुल मिलाकर 12,295,699 इक्विटी शेयरों (''ऑफर किए गए शेयर'') तक की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है। जिसमें कुल मिलाकर 6,615,586 इक्विटी शेयर शामिल हैं, जो कि पीक ँ5 पार्टनर्स इन्वेस्टमेंट्स ँ5 (पूर्व में एण् इन्वेस्टमेंट्स ँ5 के रूप में जाना जाता था) (पीक XV या ठप्रमोटर सेलिंग शेयरधारकठ) द्वारा ? ड?. मिलियन तक है, कुल मिलाकर 5,594,912 इक्विटी शेयर तक बिस्क लिमिटेड द्वारा ? ड?. मिलियन तक और लिंक इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट द्वारा मिलियन तक कुल मिलाकर 85,201 इक्विटी शेयर (सामूहिक रूप से, ठसेलिंग शेयरधारकठ और बेचने वाले शेयरधारकों द्वारा इक्विटी शेयरों की बिक्री के लिए ऐसे प्रस्ताव, बिक्री के लिए प्रस्तावठ) शामिल हैं। यह ऑफर हमारी कंपनी की पोस्ट-ऑफर प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी का [?]% होगा।

एंकर निवेशकों के अलावा सभी संभावित बोलीदाताओं को अनिवार्य रूप से अपने संबंधित बैंक खाते (यूपीआई आईडी सहित) का विवरण प्रदान करके ब्लॉक राशि द्वारा समर्थित आवेदन (ASBA) प्रक्रिया का उपयोग करना आवश्यक है, द्दृ्र्ाा आई बोलीदाताओं के मामले में जिसमें संबंधित बोली राशि स्व-प्रमाणित सिंडिकेट बैंकों (ठएससीएसबीठ) या प्रायोजक बैंकों द्वारा यूपीआई तंत्र के तहत ब्लॉक कर दी जाएगी, जैसा कि प्रस्ताव में भाग लेने के लिए लागू है। एंकर निवेशकों को ASBA प्रक्रिया के माध्यम से एंकर निवेशक भाग में भाग लेने की अनुमति नहीं है।

रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए गए इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई, बीएसई, स्टॉक एक्सचेंज) दोनों पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड, एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, आईआईएफएल सिक्योरिटीज लिमिटेड और एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ऑफर के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

अमेरिका के एक केस को लेकर गुजरात में चर्चा क्यों? जाने क्या है पूरा मामला

अहमदाबाद (ईएमएस) अमेरिका में धोखाधड़ी के एक मामले को लेकर गुजरात में काफी चर्चा हैं इस मामले की गुजरात में चर्चा इसलिए है कि एक धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने एक युवती को गिरफ्तार किया है और युवती गुजरात की मूल निवासी हैं इस मामले में अगर युवती दोषी करार दी जाती है तो उसे 30 साल की सजा हो सकती हैं दरअसल अमेरिका की फ्लारिडा पुलिस ने 42 वर्षीय श्वेता पटेल नामक गुजराती युवती को गिरफ्तार किया हैं आरोप है कि श्वेता पटेल ने अमेरिका के 80 वर्षीय व्यक्ति के साथ 1.5 मिलियन डॉलर की ठगी की हैं फ्लोरिडा पुलिस को आशंका है कि ठगी का रेकेट अमेरिका के अलग अलग राज्यों में चलाया जा रहा हैं क्योंकि बीते कुछ समय में अमेरिका के कई राज्यों से ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जिसमें उम्रदराज लोगों को टार्गेट कर उनसे लाखों डॉलर का सोना ऐंठा जा रहा हैं ऐसे कई मामलों में गुजरातियों को गिरफ्तार किया गया हैं अमेरिकन वृद्धों के साथ ठगी के केस में श्वेता पटेल की गिरफ्तारी के बाद इस मामले में अन्य कई गुजरातियों के नामों का खुलासा होने की आशंका चलते इस केस को लेकर गुजरात में काफी चर्चा हैं फिलहाल फ्लोरिडा पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है और उसे आशंका है कि ऐसे अन्य कई केस सामने आ सकते हैं इस मामले में श्वेता पटेल अगर दोषी पाई जाती है तो उसे 30 साल की सजा हो सकती हैं बताया जाता है कि अमेरिका के एक वृद्ध व्यक्ति के घर फेडरल एजन्ट बनकर पहुंचे दो शख्सों ने गिरफ्तारी वारंट दिखाकर 1.5 मिलियन डॉलर ऐंठ लिए थे वृद्ध के घर पहुंचे नकली एजंटों ने पीड़ित का शक दूर करने के लिए अपने निरीक्षक को फोन करने का भी नाटक किया था एक महिला ने ख़ुद को एक नकली एजेंट की निरीक्षक के रूप में प्रस्तुत करते हुए एक सौदा किया कि यदि पीड़ित जेल नहीं जाना चाहते हैं तो वे क्या कर सकते हैं। बुजुर्ग पीड़ित को उसी महिला ने दिन में दो से तीन बार फोन किया, जिसमें पीड़ित को आश्वासन दिया कि वह सामाजिक सुरक्षा घोटाले करने वाले लोगों को पकड़ने में पुलिस की मदद कर सकेगी। इसके लिए धोखाधड़ी गिरोह ने एक फर्जी स्टिंग ऑपरेशन की कहानी बनाई और पीड़ित से 1.5 मिलियन डॉलर का सोना खरीदा और अलग-अलग स्थानों पर उनके आदमियों से सोना भी ऐंठ लिया। सोना पीड़ित के रिटायरमेंट फंड से खरीदा गया था, जिसे पीड़ित धोखाधड़ी गिरोह को दे रहा था जबकि बुजुर्ग को आश्वासन दिया गया था कि उन्हें पैसे वापस मिल जाएंगे। लेकिन धोखाधड़ी गिरोह ने 1.5 मिलियन डॉलर का सोना प्राप्त करने के बाद पीड़ित से संपर्क करना बंद कर दिया। फिर बुजुर्ग ने पुलिस से शिकायत कर दीं जिसके आधार पुलिस ने उन जगहों के सर्विलांस फुटेज की जांच की, जहां पीड़ित ने सोना दिया था कोर्ट में दाखिल हलफनामे के मुताबिक पुलिस ने पीड़ित से सोना लेने के लिए इस्तेमाल की गई कार का पता लगाया और उसकी जांच के दौरान श्वेता पटेल के नाम का खुलासा हुआ श्वेता पटेल इस मामले में संलिप्त होना भी काफी दिलचस्प है। जॉर्जिया की रहने वाली श्वेता पटेल ने गिरफ्तारी के बाद कबूल किया है कि इस मामले में उसका काम सिर्फ बैग ले जाना था इस काम के लिए किंग नाम का एक शख्स उसे फोन पर निर्देश देता था श्वेता ने यह भी कबूल किया कि कुछ दिन पहले उसने नॉर्थ कैरोलिना में एक बुजुर्ग व्यक्ति से 25 हजार डॉलर लिए थे। इस मामले में पुलिस ने अब तक गिरफ्तार एकमात्र आरोपी श्वेता पटेल पर एक लाख डॉलर से ज्यादा की चोरी का आरोप लगाया हैं

अहमदाबाद और मुंबई के यात्रियों को मिलेगी पहले से बेहतर वंदे भारत ट्रेन की सुविधा

अहमदाबाद (ईएमएस) अहमदाबाद और मुंबई के यात्रियों के लिए एक बड़ी खबर सामने आई हैं अहमदाबाद-मुंबई रूट पर चलने वाली वंदे भारत ट्रेन की सफलता देखते हुए इस रूट पर एक और वंदे भारत ट्रेन और वह भी 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलाने का आयोजन किया गया हैं अहमदाबाद-मुंबई रूट पर वंदे भारत यात्रियों को जल्दी उनकी मंजिल तक पहुंचाएगी बताया जा रहा है कि अहमदाबाद मुंबई के बीच रूट पर चलने वाली यह नई वंदे भारत अपनी टॉप स्पीड के साथ चलेगी यानी कि इस रूट पर अगली वंदे भारत की स्पीड 160 किलोमीटर प्रति घंटा हो सकती हैं। जिससे यात्रियों को अपनी मंजिल तक पहुंचने में कम समय लगेगा अहमदाबाद-मुंबई रूट पर नई वंदे इंडिया का तीसरा और आखिरी स्पीड ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। नई वंदे भारत ट्रेन की गति, यात्री सुविधाओं और सुरक्षा सुविधाओं के मामले में अन्य वंदे भारत ट्रेनों से बेहतर होगी। अहमदाबाद-मुंबई रूट पर चलनेवाली वंदे भारत ट्रेन नई दिल्ली-वाराणसी और नई दिल्ली-कटरा जैसे अन्य रूटों पर चलने वाली मौजूदा वंदे भारत ट्रेनों की तुलना में कई मायनों में बेहतर होगी। अहमदाबाद मुंबई रूट पर नई वंदे भारत ट्रेन चलने से यात्रियों का कम से कम 45 मिनट का समय बचेगा। फिलहाल इस रूट पर सफर करने में करीब 5 घंटे 25 मिनट का समय लगता हैं विशेष रूप से अहमदाबाद-मुंबई रूट लिए डिज़ाइन किए गए नए रैक 140 सेकंड में 160 किमी प्रति घंटे की गति तक पहुंच जाएंगे। यह ट्रेन अहमदाबाद मुंबई रूट पर अन्य वंदे भारत ट्रेनों की तरह रविवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चल सकती है। हालांकि रेलवे ने अभी तक तेज़ गति से चलने वाली नई वंदे भारत ट्रेन की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। फिलहाल देशभर में लोकसभा चुनाव की आदर्श आचार संहिता लागू हैं ऐसे में केंद्रीय चुनाव आयोग किसी भी नए प्रोजेक्ट, नई ट्रेन या नई योजना की आधिकारिक घोषणा पर रोक लगाता हैं अगर सब कुछ ठीक रहा तो जून या जुलाई में अहमदाबाद और मुंबई के बीच एक और वंदे भारत ट्रेन चलाई जा सकती हैं वंदे भारत ट्रेन का तीसरा और अंतिम स्पीड ट्रायल सफल होने के बाद यह साफ हो गया है कि जल्द ही इस ट्रेन की घोषणा की जाएगी। बता दें कि ट्रेन संख्या 22962 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस अहमदाबाद मुंबई रूट पर सुबह 06:10 बजे अहमदाबाद से प्रस्थान करती है और 11:35 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचती है। यही ट्रेन सुबह 11.35 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचने से पहले वडोदरा, सूरत, वापी और बोरीवली स्टेशनों पर रुकती है। वहीं, ट्रेन नंबर 22961 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस मुंबई सेंट्रल से शाम 15:55 बजे निकलती है और रात 21:25 बजे अहमदाबाद पहुंचती है। ट्रेन बोरीवली, वापी, सूरत और वडोदरा स्टेशनों पर रुकती है।

हिट एन्ड रन की घटना में डेढ़ साल के बच्चे समेत माता की मौत, फरार कार चालक की तलाश तेज

राजकोट (ईएमएस) शहर के मेटोडा के निकट हिट एन्ड रन की घटना में डेढ़ साल के बच्चे समेत उसकी माता की मौत हो गई हादसे के बाद ड्राइवर अपनी कार मौके पर छोड़कर फरार हो गया घटनास्थल पर पहुंची जीआईडीसी पुलिस ने मामले की जांच शुरू की हैं जानकारी के मुताबिक राजकोट के मेटोडा जीआईडीसी के निकट एक तेज रफ्तार ने मां-बेटे को अपनी चपेट में ले लिया दुर्घटना को अंजाम देकर ड्राइवर अपनी कार घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गया इस हादसे में डेढ़ साल के बच्चे की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि उसका माता ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया यह घटना रात 2.30 बजे के आसपास उस वक्त हुई जब महिला अपने डेढ़ साल के बच्चे के साथ मेटोडा गेट नंबर 3 के पास दवाई लेने गई थी घटनास्थल पर पहुंची मेटोडा जीआईडीसी पुलिस ने आगे की कार्यवाही शुरू की

साबरमती-हरिद्वार स्पेशल ट्रेन का पिंडवाड़ा स्टेशन पर ठहराव

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग एवं सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए ट्रेन संख्या 09425/09426 साबरमती-हरिद्वार स्पेशल ट्रेन का पिंडवाड़ा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है जिसका विवरण इस प्रकार है:-

ट्रेन संख्या 09425 साबरमती-हरिद्वार स्पेशल का पिंडवाड़ा स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान का समय 23.50/23.52 बजे रहेगा। इसी तरह ट्रेन संख्या 09426 हरिद्वार-साबरमती स्पेशल ट्रेन का पिंडवाड़ा स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान का समय 18.00/18.02 बजे रहेगा। ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्रा www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय खगोल विज्ञान दिवस के अवसर पर अहमदाबाद में तन्मयाज़ अमेजिंग स्पेस का उद्घाटन किया गया

अहमदाबाद, 17 मई-2024: अंतर्राष्ट्रीय खगोल विज्ञान दिवस के अवसर पर, अहमदाबाद में एक अत्याधुनिक अनुभव केंद्र, तन्मयाज़ अमेजिंग स्पेस (इसरो मान्यता प्राप्त स्पेस ट्यूटर / स्पेस इंस्ट्रक्टर) का उद्घाटन किया गया, जो एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। खगोल विज्ञान के प्रसार एवं शिक्षा का क्षेत्र। तन्मय व्यास, जो 1986 से खगोल विज्ञान आउटरीच के क्षेत्र में एक प्रमुख व्यक्ति रहे हैं, ने सभी उम्र के लोगों के बीच ब्रह्मांड के बारे में जिज्ञासा पैदा करने के उद्देश्य से तन्मय अमेजिंग स्पेस की स्थापना की।

उद्घाटन के बारे में बोलते हुए, तन्मय व्यास ने अपना उत्साह व्यक्त किया और कहा, ठब्रह्मांड हमेशा मानवता के लिए आकर्षण और प्रेरणा का स्रोत रहा है। ज्ञान ही धन है और हम खगोलीय संपदा के पिटारों से भरे हुए हैं। बच्चे, किशोर, वयस्क, परिवार, लक्ष्य अपना खुद का शहर बनाएं जहां डॉ. विक्रम साराभाई का जन्म हुआ था, छात्रों, स्नातकों और सभी के लिए एक खगोल विज्ञान केंद्र!

जैसा कि दुनिया अंतर्राष्ट्रीय खगोल विज्ञान दिवस मनाती है, अनुभव केंद्र का उद्घाटन वैज्ञानिक साक्षरता को बढ़ावा देने और ब्रह्मांड के बारे में विस्मय और आश्चर्य की भावना पैदा करने पर जोर देता है। ऐसी पहलों के माध्यम से, खोज और अन्वेषण की भावना बढ़ती रहती है, जिससे लोगों का जीवन समृद्ध होता है। यह ब्रह्मांड के आश्चर्यों की गहरी समझ और सराहना विकसित करने की इच्छा पैदा करेगा। अब तक 100,000 से अधिक लोगों तक दूरबीन अवलोकन पहुंचा चुके तन्मय व्यास के अनुसार, अंतरिक्ष केंद्र खगोल विज्ञान को जनता के करीब लाने में प्रमुख भूमिका निभाएगा।

तन्मय का अद्भुत अंतरिक्ष, खगोल विज्ञान और अत्याधुनिक अंतरिक्ष विज्ञान अनुभव केंद्र शहर में चर्चा का विषय होगा। अंतरिक्ष प्रेमियों के लिए, इस अंतरिक्ष केंद्र में एक ब्रह्मांडीय पिटारा में अविश्वसनीय संख्या में चीजें शामिल हैं।

18 जून को पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर पेंशन अदालत का आयोजन

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार सेवा निवृत्त कर्मचारियों के पेंशन संबन्धित प्रश्नों के त्वरित निपटारे के लिए 18 जून, 2024 (मंगलवार) को पेंशन अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

अहमदाबाद मण्डल से जो भी कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए है उन पेंशनर/फेमिली पेंशनर के पेंशन संबंधित शिकायतों के निवारण हेतु मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय अहमदाबाद में दिनांक 18.06.2024 (मंगलवार) को पेंशन अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

अहमदाबाद मंडल से जो भी कर्मचारी रेल सेवा से सेवानिवृत्त हुए हैं वह पेंशनर/फैमिली पेंशनर अपनी पेंशन संबंधित शिकायतें है वह अपना आवेदन (तीन प्रतियों में) दिनांक 31.05.2024 तक मंडल रेल प्रबंधक (स्थापना) कार्यालय, पश्चिम रेलवे अहमदाबाद मण्डल, उण्ए हॉस्पिटल के सामने अमदुपुरा अहमदाबाद को भेज सकते हैं। आवेदन में अपना नाम, पदनाम, अंतिम वेतन, भर्ती तिथि, सेवानिवृत्ति की तिथि इत्यादि पूर्ण एवं शिकायत का प्रकार अवश्य दर्ज करें। यदि कोई पेंशनर ईमेल द्वारा आवेदन करना चाहे तो वह दी गई ईमेल [illegible] पर भी आवेदन कर सकते हैं।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रात: कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95